हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 44 | प्रयागराज, सोमवार 15 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

कर्नाटक में हार के बाद भाजपा के मिशन साउथ का क्या होगा?

नई दिल्ली। कर्नाटक विधान सभा के चुनावी नतीजे भाजपा के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। कर्नाटक दक्षिण भारत का इकलौता ऐसा राज्य था जिसने भाजपा के लिए सबसे पहले अपने दरवाजे खोले थे और पार्टी यह दावा कर रही थी कि इस बार कर्नाटक में पहली बार भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने जा रहा है। पार्टी कर्नाटक के बहुमत के सहारे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिण भारत के अन्य राज्यों में अपने पांव पसारना चाहती थी लेकिन कर्नाटक के नतीजों ने भाजपा को एक बड़ा झटका दे दिया है। दक्षिण भारत के एक और महत्वपूर्ण राज्य तेलंगाना में इस वर्ष के अंत तक विधान सभा चुनाव होने की संभावना है और भाजपा के रणनीतिकारों का यह मानना था कि अगर कर्नाटक में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बन जाती है तो तेलंगाना में भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और मतदाताओं को भी साथ लाने में मदद मिलेगी। यही वजह है कि कर्नाटक विधान सभा चुनाव प्रचार के दौरान कर्नाटक भाजपा नेताओं की बैठक में केंद्रीय गश्ह मंत्री अमित शाह ने प्रदेश के दिग्गज नेताओं को दो टूक अंदाज में यह सख्त संदेश दे दिया था कि पार्टी के मिशन साउथ को कामयाब बनाने के लिए भाजपा का कर्नाटक चुनाव जीतना बहुत जरूरी है। दरअसल, 2024 में होने वाले आगामी लोक सभा चुनाव के मद्देनजर दक्षिण भारत के पांच राज्यों–कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना की भूमिका काफी अहम हो गई है। इन पांचों राज्यों में कुल मिलाकर लोक सभा की 129 सीटें हैं और अगली सरकार के गठन में इन सांसदों की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। इन राज्यों में भाजपा अपने आप को मजबूत कर, एक तीर से कई निशाना साधना चाहती थी। उत्तर प्रदेश और बिहार में पार्टी की खस्ता हालत से निराश कांग्रेस आलाकमान भी वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में अपने आपको मजबूत बनाने के लिए दक्षिण भारत की तरफ उम्मीदों से देख रही है तो वहीं देश भर में भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की मुहिम में जुटे के. चंद्रशेखर राव इसी क्षेत्र के तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री हैं। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा की सत्ता से बाहर हो चुका लेफ्ट फ्रंट अभी भी केरल की सत्ता में बना हुआ है। वहीं जयललिता के निधन के बाद उनकी पार्टी एआईएडीएमके भले ही तमिलनाडु में मुख्य विपक्ष की भूमिका निभाती नजर आ रही हो लेकिन भाजपा को यह लगता है कि वहां विपक्ष में मजबूत नेता की कमी है और इसलिए भाजपा के पास राज्य में विस्तार की अपार संभावनाएं हैं इसलिए तमिलनाडु में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन के बावजूद पार्टी लगातार मुख्य विपक्षी दल की भूमिका निभाने का प्रयास कर रही है। इन पांचों राज्यों में से भाजपा कर्नाटक को छोड़ कर किसी भी अन्य राज्य में मजबूत नहीं है लेकिन कर्नाटक की इस करारी हार ने भाजपा के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। दक्षिण भारत से आने वाले एक बड़े राज्य के नेता ने यह स्वीकार किया कि कर्नाटक की हार पार्टी के लिए एक बड़ा झटका है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि इसकी वजह से पार्टी के मिशन साउथ पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा बल्कि इसमें और ज्यादा तेजी आएगी। प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा और पार्टी के बड़े नेता अब और ज्यादा दक्षिण भारत के राज्यों का दौरा करेंगे ताकि कार्यकर्ताओं के मनोबल को ऊंचा बनाए रखा जा सके।

महाराष्ट्र: अकोला में दो गुटों की हिंसक झड़प में 1 की मौत, एक पुलिसकर्मी सहित 3 घायल धारा 144 लगी

मुंबई। महाराष्ट्र के अकोला शहर में एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो समुदायों के बीच झड़प हो जाने के बाद शहर के कुछ हिस्सों में आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू की गई, ताकि लोगों को गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने से रोका जा सके। हिंसक झड़प में एक नागरिक की मौत हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ेच) मोनिका राउत ने बताया कि संवेदनशील 'ओल्ड सिटीश इलाके में शनिवार को रात करीब साढ़े 11 बजे हुई झड़प में दो–तीन लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो जाने की आशंका है। उन्होंने बताया कि दोनों समूहों के सदस्यों ने एक दूसरे पर पथराव किया। इस दौरान कुछ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने दंगाइयों को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया और हालात काबू किए। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि राज्य के उप मुख्यमंत्री और अकोला जिले के संरक्षक मंत्री देवेंद्र फडणवीस स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

बीएड की छात्रा का अपहरण कर कराया धर्मांतरण, परिजनों पर भी बनाया दबाव एक आरोपी गिरफ्तार

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शादी से पहले बीएड की छात्रा का अपहरण कर धर्मांतरण कराए जाने का मामला सामने आया है। साथ ही मुस्लिम युवक के परिजनों द्वारा छात्रा के परिवारीजनों पर भी धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया गया और ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी गई और 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई। जिसके बाद पुलिस ने अपहृता के पिता की तहरीर पर युवक, उसके पिता सहित 5 लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए युवक के पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

फतेहपुर जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र में मुस्लिम युवक ने अपने परिवारीजनों की मदद से बीएड कर रही हिंदू छात्रा का अपहरण करते हुए छात्रा के परिजनों पर भी धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाते हुए 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित पिता ने इस घटना की लिखित तहरीर देते हुए हासिम राजा, सिंचाई विभाग में कार्यरत उसके पिता अहमद रजा खां, भाइयों मोहसिन, दानिश और कासिम के खिलाफ रंगदारी, धर्म परिवर्तन सहित अन्य कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। जिसके बाद पुलिस ने युवक के पिता अहमद रजा खां को गिरफ्तार कर जेल भेजते हुए अन्य अभियुक्तों की तलाश में जुट गई है। बता दें की छात्रा अपने परिवारीजनों के साथ 26 अप्रैल 2023 को वाराणसी गई थी जहां दो मई को वहां शादी होनी थी। जिसके कारण पूरा परिवार भी वाराणसी गया हुआ था इसी बीच हासिम रजा वहां पहुंच गया और छात्रा का अपहरण कर लिया। जिसकी सूचना पीड़ित पिता ने वाराणसी के लोहटा थाने में हासिम के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था और 11 मई को वापस फतेहपुर आ गए और हासिम के घर अपनी लड़की के खोजबीन के लिए गया। जहां युवक के पिता और दो भाइयों ने उसके पिता पर भी पूरे परिवार सहित धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। इतना ही नहीं ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए 10 लाख की रंगदारी मांगी और कहा की तुम्हारी बेटी का धर्मांतरण हो चुका है। जिसके बाद पीड़ित पिता ने इस घटना की लिखित शिकायत थाना कोतवाली में की जहां पुलिस ने हासिम रजा,सिंचाई विभाग में कार्यरत उसके पिता अहमद रजा खां,भाइयों मोहसिन ,दानिश और कासिम के खिलाफ आईपीसी 386, उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम,2021 के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए युवक के पिता को गिरफ्तार कर जेल भेजते हुए अन्य अभियुक्तों के तलाश में जुट गई है।

जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने सुनी 100 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान आये फरियादियों की समस्याओं को सुना और उन्हें समुचित कार्रवाई का भरोसा दिया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी । अधिकारी ने बताया कि राज्य में नगर निकाय चुनाव के आचार संहिता के चलते करीब एक महीने बाद यहां जनता दर्शन का आयोजन किया गया और करीब 100 लोगों ने योगी से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। गोरखनाथ मंदिर में नौ अप्रैल को अंतिम जनता दर्शन का आयोजन किया गया था। य ोगी ने ध ैर्यपूर्वक एक–एक कर लोगों की शिकायतें सुनीं और स्वयं चलकर उनके पास पहुंचे। लोग मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मशति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठे थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। योगी ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए तथा संपत्ति पर जबरन कब्जा करने की शिकायत पर सख्त कानूनी कार्रवाई के भी निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान एक महिला ने उनसे बिजली बिल में छूट की गुहार लगाई और मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह उन्हें यथासंभव छूट प्रदान करेंगे। वहां कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद मांगने भी आए थे, मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में पैसे की कभी कोई दिक्कत नहीं होगी। योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पैसा दिया जाएगा। इस दौरान कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आईं और योगी ने उन्हें दुलार प्यार किया और चॉकलेट देकर पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अपने गश्ह जिले के दौरे पर आये हैं। योगी गोरक्षपीठ के महंत भी हैं।

पुलिसकर्मी ने सरकारी राइफल से खुद को गोली मार किया सुसाइड

बलरामपुर। बलरामपुर पुलिस लाइन में तैनात एक सिपाही ने कथित तौर पर सरकारी रायफल से गोली मार कर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने रविवार को बताया कि विवेक वर्मा (23) लखीमपुर खीरी का रहने वाला 2020 बैच का सिपाही था और पुलिस लाइन में उसकी तैनाती थी। एसपी ने बताया कि विवेक देहात थाना क्षेत्र के छोटा धुसाह मोहल्ले में किराए के एक मकान में रहता था और नगर निकाय चुनाव में उसकी ड्यूटी लगी थी। शनिवार को जब वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचा तो पुलिस कर्मियों को उसके आवास पर भेजा। पुलिस कर्मियों द्वारा आवाज देने पर कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो सिपाहियों ने शंका होने पर दरवाजा तोड़ दिया और जब वे कमरे के अंदर घुसे तो वहां उन्हें विवेक का खून से लथपथ शव मिला। उन्होंने कहा कि शव के पास सरकारी एस. एल. आर. रायफल मिली जिससे उसने कथित रूप से खुद को गोली मारी थी।

क्या दक्षिण एक बार फिर लिखेगा कांग्रेस के पुनरुद्धार की पटकथा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की किस्मत खराब होने पर कई मौकों पर उसे दक्षिण भारत से नया जीवन मिला है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों ने शनिवार को एक बार फिर इस बात को साबित कर दिया कि दो आम चुनावों और कई विधानसभा चुनावों में एक के बाद एक हार के बाद एक बार फिर नई जान फूंकने के लिए जी–जान से जुटी इस पुरानी पार्टी को बहुत महत्वपूर्ण मौका दिया गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, जो पार्टी के संचार प्रभारी भी हैं, ने दक्षिण से पार्टी के पुनरुद्धार के पैटर्न पर प्रकाश डाला। एक ट्वीट में उन्होंने कहा, चिकमगलूर जिले में कांग्रेस पार्टी के लिए यह एक असाधारण परिणाम है, जो भाजपा का गढ़ बन गया था। इसने वहां की 5 में से सभी 5 सीटों पर जीत हासिल की। 1978 में, इंदिरा गांधी ने चिकमंगलूर से चुनाव जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के पुनरुत्थान की शुरुआत की थी। इतिहास जल्द ही खुद को दोहराएगा!1975 में आपातकाल लगाने के बाद, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी 1977 के आम चुनावों में हार गईं, यहां तक कि अपनी उत्तर प्रदेश की रायबरेली संसदीय सीट से भी वह हार गईं।आम चुनावों में अपमानजनक हार के बाद, इंदिरा गांधी ने पार्टी के पुनरुद्धार के लिए दक्षिण भारत जाने का फैसला किया और एक साल बाद उन्होंने चिकमंगलूर संसदीय सीट से लोकसभा उपचुनाव लड़ने का फैसला किया। वह 1978 के उपचुनावों में चिकमंगलूर से जीतीं और संसद में लौटीं और फिर 1980 के लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय स्तर पर वापसी की। 1991 में पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद 90 के दशक के अंत में एक बार फिर से अपने अस्तित्व के लिए चुनौती का सामना करने वाली कांग्रेस ने कर्नाटक से एक बार फिर अपने भाग्य का पुनरुद्धार देखा। राजीव गांधी की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी सोनिया गांधी ने राजनीति से दूरी बना ली थी। हालांकि कमजोर हो रही पाटी को फिर से मजबूत करने के लिए 1998 में उन्हें राजनीति में प्रवेश करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सोनिया गांधी ने तब 1999 के लोकसभा चुनाव कर्नाटक के बेल्लारी और उत्तर प्रदेश के अमेठी से लड़ने का फैसला किया और दोनों सीटों से जीत हासिल की। उन्होंने बेल्लारी में भाजपा की वरिष्ठ नेता सुषमा स्वराज को हराया। हालांकि, दोनों सीटों से जीतने के बाद उन्होंने लोकसभा में अमेठी का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना। 1999 में जीतने के बाद सोनिया गांधी 2004 में कांग्रेस के नेतश्त्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) को सत्ता में वापसी कराई, जो मनमोहन सिंह के प्रधान मंत्री के रूप में लगातार दो बार सत्ता में रही। 2023 के कर्नाटक चुनाव और चिकमगलूर की सभी पांच सीटों पर जीत ने कांग्रेस को नई उम्मीद दी है, जो नौ वर्षों में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है, जहां वह कई राज्यों में सत्ता से बाहर हो गई और दो लोकसभा चुनाव भी हार गई। कांग्रेस वर्तमान में छत्तीसगढ़, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में अपने दम पर सत्ता में है। बिहार और झारखंड में यह सरकार में साझीदार है। इस साल के विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस कर्नाटक विधानसभा की 224 सीटों में से 136 सीटों के साथ सत्ता में वापसी करने के लिए तैयार है।

शिवकुमार बोले, सिद्धारमैया के साथ मतभेद नहीं, पार्टी के लिए कई बार कुर्बानी दी

बंगलुरू। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री पद की दावेदारी के बीच पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया उनका समर्थन करेंगे। शिवकुमार ने दावा किया। अपने दावे को लेकर तर्क देते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी को जिताने की चुनौती लिये जाने के दौरान शीर्ष नेता पीछे हट गये थे , तब वह आगे आये और इसकी जिम्मेदारी ली। कांग्रेस नेता ने कहा '' इससे पहले कि मैं पार्टी की जिम्मेदारी लेता, दिनेश गुंडुराव साहब और सिद्दारमैया साहब – दोनों ने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि यह उनके हाथ से बाहर है। इसके बाद सोनिया गांधी ने मुझे बुलाया और यह जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा ''सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य नेताओं ने जेल में मुझसे मुलाकात की और मुझे ताकत दी। मैंने अपने लिए कुछ नहीं किया। मैंने इसे पार्टी के लिए किया है। दिन–रात मैंने कड़ी मेहनत की है और सभी को अपने साथ लिया। सभी ने सहयोग किया तथा इसी कड़ी मेहनत के कारण हम सत्ता पाने में कामयाब रहे।

शिवकुमार ने कहा, '' इससे पहले 2018 में मुझे मंत्री नहीं बनाया गया था, लेकिन मैंने अच्छा व्यवहार किया। मैंने तब सिद्दारमैया के लिए काम किया और मैं अपने लिए उनसे भी उम्मीद करता हूं। शिवकुमार ने हालांकि स्पष्ट किया कि उनके और सिद्दारमैया के बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा, ''कुछ लोग कहते हैं कि मेरे और उनके बीच मतभेद हैं, लेकिन मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। इस बीच मुख्यमंत्री के अन्य दावेदार सिद्दारमैया अपने पक्ष में विधायकों से समर्थन जुटा रहे हैं। वह उन कई विधायकों के साथ कांग्रेस नेता बैराथी सुरेश के कार्यालय में बैठक कर रहे है, जो उनके समर्थक बताये जा रहे हैं। इससे पहले पूर्व मंत्री प्रियांक खड़गे, एमबी पाटिल, जमीर अहमद खान और अन्य ने सिद्दारमैया से मुलाकात की। एक सवाल के जवाब में कांग्रेस नेता सैयद नसीर हुसैन ने कहा कि मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा दो–तीन दिन में कर दी जायेगी। उन्होंने कहा, ''हम भी जल्द से जल्द कैबिनेट के गठन की तैयारी कर रहे हैं।

म्यांमार-बंगलादेश के तटीय इलाकों से टकराया चक्रवाती तूफान 'मोचा, किमी,घंटा की रफ्तार से चलीं हवाएं

नई दिल्ली। म्यांमार–बांग्लादेश तटीय रेखा से रविवार को बेहद भीषण चक्रवाती तूफान 'मोचा टकराया। जिसकी अधिकतम निरंतर हवा की गति 200 किमी,घंटा से अधिक थी। जिससे बंगाल की खाड़ी के आसपास की जमीन पर खतरनाक बाढ़ आ सकती है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, चक्रवात के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 250 से अधिक चिकित्सा दल तैयार हैं। कॉक्स बाजार और चटोग्राम के तटीय क्षेत्रों से अब तक चार लाख से अधिक लोगों को निकाला जा चुका है। स्थानीय प्रशासन निकाले गए लोगों को कॉक्स बाजार और चटोग्राम साइक्लोन शेल्टर में भोजन उपलब्ध करा रहा है। बांग्लादेश मौसम विज्ञान विभाग के सुबह साढे दस बजे के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार अति गंभीर चक्रवाती तूफान 'मोचा के बाहरी रिम ने बंगलादेश के कॉक्स बाजार क्षेत्र और उत्तरी म्यांमार तट को पार करना शुरू कर दिया है। इस बुलेटिन के अनुसार चक्रवात आज दोपहर तक पूरी तरह से बंगलादेश में कॉक्स बाजार और सितवे के पास उत्तरी म्यांमार तट को पार कर जाएगा। बुलेटिन में कहा गया, ''कॉक्स बाजार, चटोग्राम और अन्य तटीय क्षेत्रों में चक्रवात के परिधीय प्रभाव के तहत रुक–रुक कर बारिश और 50–60 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज गति वाली हवाएं चल रही हैं। बंगलादेश मौसम विज्ञान विभाग ने अपने नवीनतम बुलेटिन में कहा है कि चक्रवात रविवार को सुबह 9 बजे कॉक्स बाजार से लगभग 250 किलोमीटर, चटोग्राम से 335 किलोमीटर, मोंगला से 435 किलोमीटर और पायरा बंदरगाह से 350 किलोमीटर दूर केंद्रित रहा। इससे पहले भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा था, ''इसके उत्तर–पूर्वोत्तर की ओर बढ़ने और कॉक्स बाजार (बांग्लादेश) और क्यौकप्यू (म्यांमार) के बीच दक्षिण–पूर्व बंगलादेश और उत्तरी म्यांमार के तटों को पार करने के बहुत आसार है और यह 180–190 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 210 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक चलने वाला चक्रवाती तूफान है। बदलते मौसम के मद्देनजर आईएमडी ने 14 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, त्रिपुरा के कुछ हिस्सों, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड और असम के लिए बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की है। आईएमडी ने कमजोर असुरक्षित संरचनाओं को मामूली क्षति, छोटे पेड़ों को उखड़ने और पेड़ की शाखाओं को टूटने , कमजोर क्षेत्रों में भूस्खलन की अनुमान व्यक्त किया है साथ मिजोरम, त्रिपुरा और दक्षिण मणिपुर में केले जैसे छोटे पेड़ों को नुकसान होने की चेतावनी दी है। मौसम एजेंसी ने मछुआरों, जहाजों, नावों और ट्रॉलरों को 14 मई तक पूर्व–मध्य और उससे सटे पश्चिम–मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तर अंडमान सागर में और 14 मई तक पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी में नहीं जाने की सलाह भी दी है।

सम्पादकीय

कर्नाटक: बोलो जनता की जय

कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस पार्टी की प्रचंड जीत के लिए यदि किसी को सर्वप्रथम श्रेय दिया जा सकता है तो वे इस राज्य के नागरिक मतदाता ही हैं क्योंकि भाजपा, कांग्रेस व जनता दल (स) समेत विभिन्न अन्य दलों के प्रचार से प्रभावित हुए बिना स्वयं को भारत के लोकतन्त्र का मालिक साबित किया है और सिद्ध किया है कि उनकी राजनैतिक चेतना व सजगता को कोई भी पार्टी चुनौती नहीं दे सकती। वास्तव में कर्नाटक में लोकतन्त्र जीता है और उस संविधान की विजय हुई है जिसे 26 जनवरी, 1950 को इस देश के सभी राज्यों के लोगों ने अपने पर लागू किया था। कर्नाटक की जनता ने सबसे बड़ा काम यह किया है कि उन्होंने राजनैतिक दलों के नेताओं को सबक सिखाया है कि हिन्दू–मुसलमान या लिंगायत या वोकालिंग्गा होने से पहले वे नागरिक हैं और जिस राज्य सरकार के गठन के ध्लिए वे मतदान कर रहे हैं, उसका सबसे पहला काम उनकी व राज्य की समस्याएं समाप्त करना है। भारत के लोकतन्त्र में जो त्रिस्तरीय प्रशासन प्रणाली गठित की गई थी उसमें प्रत्येक स्तर (नगर पालिका, राज्य सरकार व केन्द्र सरकार) पर अपनी मनमाफिक सरकारों का गठन करते समय इनके मुद्दे भी अलग होंगे और उनका विमर्श भी अलग होगा। अतः जो राजनैतिक नेता भारत के मतदाताओं की समस्याओं का इलाज केवल किसी एक ही घुट्टी को पिलाने को मानते हैं, उनके लिए यह चुनाव सबक की तरह है। इन चुनाव परिणामों का विश्लेषण कथित राजनैतिक पंडित अपने–अपने हिसाब से कर रहे हैं मगर उन्हें दीवार पर लिखी इस इबारत को पढ़ने में कठिनाई हो रही है कि इन चुनावों को स्वयं कर्नाटक की जनता ही काबिज सरकार से लड़ रही थी। कांग्रेस पार्टी ने सिर्फ उसे अपना कन्धा देकर ठोस विकल्प देने का काम किया है। वास्तव में यह लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच भी थी क्योंकि चुनाव प्रचार में वह विमर्श भी पैनी धार पकड़ रहा था जिसमें समस्याओं के लिए स्वयं नागरिकों को ही दो समुदायों के बीच बांट कर नागरिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार बनाया जा रहा था। कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी ने कर्नाटक में अपनी पार्टी की जीत को नफरत के ऊपर मोहब्बत की जीत बताते हुए साफ भी करने की कोशिश की है। पिछले वर्ष उनके द्वारा की गई 'भारत जोड़ो' यात्रा व्यर्थ नहीं गई है। दूसरी तरफ भाजपा ने कर्नाटक में अपनी पराजय को पूरे सम्मान के साथ स्वीकार करते हुए इसका दोष खुद अपने सिर पर लेने में भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई है। भारत के लोकतन्त्र की यही शान है कि जीतने व हारने वाली पार्टियां जनता द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ स्वीकार करती हैं और उपलब्धियों व गलतियों की समीक्षा भी करती हैं। चुनावी हार–जीत लोकतन्त्र की सतत् प्रक्रिया होती है और कोई भी पार्टी यह दावा नहीं कर सकती कि वह लगातार चुनाव जीतती ही रहेगी। इसकी वजह यह होती है कि राजनैतिक प्रणाली लगातार मतदाताओं को ठोस विकल्प देती रहती है परन्तु कुछ विश्लेषक इन चुनाव परिणामों को 2024 के लोकसभा चुनावों से जोड़ कर देखने का प्रयास कर रहे हैं। बेशक यह माना जा सकता है कि कांग्रेस की विजय से विपक्षी दलों का मनोबल बढेघ्गा और उनमें इकट्ठा होने का उत्साह भी पैदा होगा। मगर इसके समानान्तर यह भी सत्य है कि राष्ट्रीय चुनावों में मतदाताओं के मुद्दे दूसरे होंगे जिन्हें हल करने के लिए उन्हें सत्तारूढ़ भाजपा के स्थान पर एक ठोस विकल्प की तलाश भी रहेगी। यह विकल्प तभी बन सकता है जब भाजपा की विचारधारा के विपरीत कोई समन्वित विचारधारा मूलक तैयार किया जाये और इसे लेकर विभिन्न विपक्षी दलों के बीच मतभेद स्पष्ट हैं। अतः अभी से यह निष्कर्ष निकाल लेना कि कर्नाटक का असर राष्ट्रीय चुनावों पर भी इसी तरह पड़ेगा, पूरी तरह गलत होगा। हां इतना जरूर कहा जा सकता है कि इसी वर्ष दिसम्बर महीने तक मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान व तेलंगाना में होने वाले विध्ाानसभा चुनावों में इनका असर दिखाई दे सकता है। एक तथ्य कर्नाटक चुनावों से और निकल कर आया है कि महंगाई व बेरोजगारी समेत भ्रष्टाचार ऐसे मुद्दे हैं जिनका मतदाताओं से सीधा सामना रहता है क्योंकि कर्नाटक की बोम्मई सरकार 40 प्रतिशत कमीशन सरकार के नाम से खासी बदनाम हो गई थी। इसके साथ हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि लोकतन्त्र में संविधान द्वारा प्रदत्त मूलभूत अधिकारों की मार्फत प्रत्येक नागरिक का अपना स्वतन्त्र अस्तित्व होता है और उनकी मजबूती ही अंततः लोकतन्त्र व राष्ट्र की मजबूती का प्रमाण होती है। अतः सामाजिक न्याय के मुद्दे को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। कर्नाटक में कांग्रेस के चुनाव जीतने के विभिन्न कारण गिनाये जा सकते हैं परन्तु भाजपा के चुनाव हारने का एक ही कारण है कि उसने जमीन पर मौजूद मुद्दों को अपने चुनावी विमर्श में शामिल करने की जहमत ही नहीं उठाई। लोकतन्त्र में जब भी राजनैतिक विमर्श जनता के बीच पनपे विमर्श से कट जाता है तो जनता स्वयं रहनुमा हो जाती है। ''तुम जाने तुमको गैर से जो रस्मो–राह हो हमको भी पूछते रहो तो क्या गुनाह हो।''

केरला स्टोरी और बेटियां

भारत में फिल्मों पर विवाद होना कोई नया नहीं है लेकिन फिल्मों को राजनीतिक से जोड़ना पूरी तरह से गलत है। लव जेहाद पर बनी 'द केरला स्टोरी' में अगर गायब हुई लड़कियों के आंकड़ों पर न जाएं तो इस विषय पर फिल्म बनाना सचमुच साहस का काम है। साहित्य समाज का दर्पण होता है तो फिल्में भी समाज की घटनाओं पर ही बनती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि केरला में 15 साल पहले लव जेहाद की चर्चा हुई थी। ऐसी घटनाओं में हिन्दू लड़कियों को बहला–फुसला कर इस्लाम कबूल करा लिया जाता था और इनमें से कुछ को दुर्दांत आतंकवादी संगठन आईएस के लिए भेज दिया जाता था। फिल्म की कहानी भी ऐसी ही लड़कियों पर आधारित है। कहीं न कहीं ऐसी घटनाओं में समाज का सच ही सामने आया है। यद्यपि 32 हजार के आंकड़े को अतिरंजित ही कहा जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि 15 सालों बाद को फॉलो नहीं किया गया कि अब भी वैसा हो रहा है या इस बात को हम रोक सके या समाप्त कर सके लेकिन मैंने फिल्म देखी है और मेरा मानना है घकि फिल्म ऐसी ही लड़कियों की दर्दनाक कहानी है, जिसे देखकर दर्शकों की आंखों में आंसू आ जाते हैं।द साथ ही फिल्म एक बहुत बड़ा सवाल भी उठाती है। यह सवाल ही बच्चों को संस्कारवान बनाने का है। वास्तव में आज के दौर में अभिभावक अपने बेटे या बेटियों को धार्मिक, पारिवारिक और सामाजिक संस्कार भलीभांति नहीं देते हैं। ऐसी समस्याएं तब आती हैं जब बच्चों को अपने धर्म के पूर्ण संस्कार नहीं दिए जाते। हम अपनी बेटियों को संस्कारवान बनाएं ताकि कोई उन्हें गुमराह न कर सके। अगर सच को टटोलना है तो हमें अपने समाज में गहराई तक उतरना होगा। किसी भी धर्म के बच्चों की आपस में दोस्ती होना अलग बात है लेकिन कोई भी बच्चा अगर अपने धर्म के प्रति संस्कारवान है तो उसे कोई गुमराह कर ही नहीं सकता। आपस में दोस्ती कितनी भी गाढ़ी क्यों न हो हम अपना धर्म छोड़ कर दूसरे का धर्म स्वीकार नहीं कर सकते। हां सब धर्मों को सम्मान दे सकते हैं लेकिन समाज में घविरोधी तत्व किसी की मजबूरी का लाभ उठाकर संगठित तरीके से अलग गिरोह चला रहे हैं तो यह खेद की बात है। मेरा निजी तौर पर मानना है कि फिल्म कोई भी हो, वह मनोरंजन के लिए बनाई जाती है। अगर आप उसे समाज सुधार की तरह प्रौजेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी कोशिश सराहनीय है। कुल मिलाकर फिल्मों के मामले में विरोध करना आजकल के हालात में कई बार तो फैशन जैसा लगता है। पहले लोग आपस में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेते ध्थे परंतु अब यह हाथोंहाथ सोशल मीडिया के साहारे अपनी बात वह कड़वी हो या तीखी, दूसरे तक तुरंत पहुंचा देते हैं। वायरल का यह सिलसिला बहुत घातक है। यह केवल फिल्मों के मामले में नहीं है। कई और मामलों में ऐसा ही होता है। जिस भारत जैसे देश में बेटियां अपने जीवन–यापन के लिए बैट्री रिक्शा, टैक्सी या बस चला रही हों या उसी देश की बेटियां ट्रेन चला रही हों और लड़ाकू विमान उड़ा रही हों तो वहां देश के किसी हिस्से में लड़कियों को जबरन धर्म परिवर्तन करके मुस्लिम बनाया जा रहा हो और इसे अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी संगठन से जोड़ दिया जाए तो इसे क्या कहेंगे? राजनीति मेरा विषय नहीं लेकिन किसी भी स्तर पर चाहे वह राज्य स्तर पर हो या राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति नहीं आनी चाहिए। नेता लोग कभी भी कुछ भी कह सकते हैं, यह उनकी निजी राय हो सकती है लेकिन जब वह पब्लिक के बीच में अपनी राय फिल्म को लेकर देंगे तो वह निजी राय कहां रही? यूं तो हमने सैंकड़ों फिल्में देखी हैं जिसके उदाहरण विवाद के तौर पर दिए जा सकते हैं। एक फिल्म अच्छा संदेश भी दे सकती है। यह डायरेक्टर की संवेदनशीलता पर निर्भर करता है कि वह तथ्यों को कैसे प्रस्तुत कर रहा है? शहीद, उपकार, अवतार, रोटी,कपड़ा और मकान, शोर, पूरब और पश्चिम तथा क्रांति जैसी फिल्मों के गीत और कहानियां आज भी लोग याद रखते हैं। कश्मीर फाइल को लेकर अगर उसकी संवेदनशीलता को लेकर उसके विवाद को याद रखा जाए तो यह एक दुर्भाग्य है। फिल्म के प्रति मनोरंजन के अलावा राजनीतिक नघ्जरिया रखना भी दुर्भाग्य है। दुरूख इस बात का है कि जिसने विवाद ढुंढना है तो ढुंढ ही लेना है। सन् 70 के दशक में एक फिल्म में किसी वेश्या का नाम किसी धर्म से जोड़ दिया गया था तो अच्छा खासा विवाद हुआ था। आखिरकार नाम बदला गया। आज की तारीख में यही कहेंगे कि हमें फिल्मों को लेकर सियासत नहीं करनी और तथ्यों को देखकर अपनी प्रतिक्रिया भी ध्यानपूर्वक व्यक्त करनी चाहिए। पब्लिक के साथ–साथ नेताओं को भी और इनके अलावा सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों को भी अपनी जुबान काबू में रखकर धैर्यपूर्वक आचरण प्रस्तुत करना चाहिए। याद रखना चाहिए कि बेटियां सबकी साझी हैं। उनकी अस्मीता की घ्सुरक्षा हमारा कर्त्तव्य है और जुबानबंदी भी इस मामले में बहुत जरूरी है। मैं समझती हूं कि हमारे देश में बहुत ही पढ़े–लिखे, संस्कारवान और विद्वान मुस्लिम (अब्दुल कलाम, जाकिर हुसैन, बहुत से नेता गुलाम नबी आजाद जैसे बहुत से नाम हैं जिन्हें गिनाना घ्मुश्किल है) और ऐसे बहुत से समाज सुधारक हैं, जिन्हें मैं जानती हूं जिनकी वाणी लोगों के दिलों पर असर करती है। जैसे मौलाना कल्बे रशिद रिजवी जो कि नेशनल उलेमा पार्लियामेंट के महासचिव हैं। ऐसे लोगों को आगे आकर ऐसी घटनाओं को रोकने या खत्म करने के लिए बोलना चाहिए। क्योंकि मेरी नजर में यह लोग सब बातों से उठकर मानवता, इंसानियत और देशभक्ति की बात कहते और समझते हैं और समझाते हैं। जब मैंने उनसे बात की तो उन्होंने कई उदाहरण दिए। मैं एक नारी हूं तो नारा लगाना जरूरी समझती हूं। सवाल मजहब का नहीं, सोचिये हमेशा हर हालात में एक लड़की की कुर्बानी क्यों दे। सवाल फिल्म का नहीं ये तो 15 साल पहले हुआ न जाने और कितने मां–बाप से उनकी बच्चियां जुदा हुई होंगी। सिर्फ केरल ही नहीं बल्कि और प्रदेशों में भी ऐसा हुआ, लेकिन अब नहीं। कम से कम अपनी क्षमता अनुसार लिख कर, बोल कर जितना रोक सकती हूं रोकूं। मैं समझना चाहती थी लड़ाई कलम से लड़नी है। सोचा पहले समझूं इस्लाम क्या कहता है। जानने के लिए रशीद रिजवी जी से बात की। उनका कहना था, किरण जी इस्लाम में दो मायने वाली रिवायत है। एक रियासत वाले हैं जो जंग में जाते हैं। दूसरे रिसालत वाले हैं जो करबला में इंसानियत के लिए जान देते हैं। कहने का भाव है कुछ चंद मुस्लिम या आतंकवाद या ध र्म परिवर्तन करवाने वाले लोग अपनी सारी कौम को बदनाम न करें। मिलकर बच्चियों और बेटियों को बचाने का सार्थक यत्न करें।

आज भी भारत में महिला स्वतंत्रता की असली मीमांसा एवं विवेचना अपेक्षित

भारतीय संदर्भ में महिलाओं के विकास स्वतंत्रता एवं सशक्तिकरण की अलग–अलग तस्वीर पेश की जाती रही हैस शासकीय आंकड़ों के हिसाब से उच्च प्रशासनिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी केवल 14: लगभग भूमिका या भागीदारी है ।निजी क्षेत्रों में जो व्यापक स्वतंत्रता एवं उदारीकरण है, वहां भी महिलाओं की उच्च पदों पर पदस्थापना 20: से अधिक नहीं हैस सामाजिक संगठन बड़े जोर शोर से महिला स्वतंत्रता एवं सशक्तिकरण के बड़े–बड़े दावे पेश करते हैं, कुल जनसंख्या का 45: महिलाओं का होने के बाद भी भारत में महिला पुरुषों से कम दक्ष एवं कमजोर मानी जाती रही हैस स्थिति इससे बिल्कुल विपरीत हैस भूमंडलीकरण शिक्षा में वृद्धि मानव अधिकारों की वृद्धि एवं सजगता से महिला सशक्तिकरण के आंदोलनों को काफी बल प्राप्त हुआ है। शनी सिगनापुर, हाजी अली दरगाह एवं अन्य स्थानों पर महिलाओं के प्रवेश के लिए सशक्त आंदोलन इसका बड़ा उदाहरण है। आज से 20 वर्ष पूर्ण इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थीस वर्तमान ओलंपिक 2021 में पूर्वोत्तर राज्य की मीराबाई चानू ने सिल्वर पदक दिलाकर अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को प्रदर्शित कर यह बता दिया है कि नारी विशेषकर भारत की पुरुषों से कहीं आगे हैं और प्रिया मलिक ने हंगरी में स्वर्ण पदक लाकर बात को प्रमाणित भी कर दिया हैस भारत की महिलाएं, साक्षी मलिक ओलंपिक में कांस्य पदक, पी,वी संधू रजत पदक, दीपा मलिक पैरा ओलंपिक में पहली भारतीय महिला द्वारा स्वर्ण प्राप्त,साइना नेहवाल सानिया मिर्जा ने काफी हद तक महिलाओं के स्वरूप को बदलने का प्रयास किया है। इसी प्रकार निजी क्षेत्रों में चंदा कोचर,इंदिरा नूई, अरुंधति भट्टाचार्य ने आर्थिक जगत की नई ऊंचाइयों को छुआ है।

अंतरिक्ष में कल्पना चावला सुनीता विलियम्स ने महिलाओं को बड़ी प्रेरणा दी है, राजनैतिक क्षेत्र में पहली बार नरेंद्र मोदी सरकार ने 9 महिला मंत्रियों को मंत्रिमंडल में जगह देकर उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसी तरह किरण बेदी ने पुलिस प्रशासन में एक बड़ी पताका हासिल कर महिला होने पर गर्व करने के लिए लोगों को मजबूर किया है। भारत के संदर्भ में यह माना जाए कि जीवन काल में ही महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कम स्वतंत्रता प्राप्त है। बचपन के पश्चात जब महिला विद्यालय, विवाह की ओर अग्रसर होती है, तो उसके पहनावे की स्वतंत्रता को सीमित कर दिया जाता हैस महिलाओं के वस्त्रों के साथ उसके चरित्र की व्याख्या कर दी जाती है। जबकि इस भूमंडलीकरण या वैश्वीकरण के युग में जहां संस्कृति के आदान–प्रदान का बड़ा महत्व है, और महिलाएं आध ुनिकरण के लिए आगे बढ़ती हैं, तो उनका परिवार समाज उन्हें इन सब कार्यों से दूर रख बाधित कर विकास की एक धारा को नियंत्रित कर देता है ।और इस तरह उनके मानसिक स्वतंत्रता को रोक कर उन्हें मानसिक दासता का पात्र बना देता है। घरों में समाज में सदैव लड़कों को घर का उत्तराधिकारी मानकर उन्हें प्रत्येक कार्य में वरीयता प्रदान की जाती है,एवं घर की लड़कियों को कमतर आंक कर केवल घर के कामों में ही व्यस्त रखा जाता है।, यह छोटे या बड़े अंतर ही महिलाओं को मानसिक रूप से गुलामी के लिए मजबूर कर वैचारिक हथकड़ियां पहनाते हैं। हमें विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी उनकी भूमिका योगदान एवं स्थिति को एकदम स्पष्ट करना आवश्यक है। बहुत महिलाओं की भूमिका का परीक्षण अत्यंत छोटे स्तर पर करना आवश्यक है। महिलाओं को बचपन से ही मानसिक तथा शारीरिक स्वतंत्रता एवं समानता का अधिकार की प्रेरणा दी जानी चाहिए। धीरे बोलना, धीरे हंसना, बाहरी लोगों से से दूर रहना एवं बाहर खेलने नहीं जाने की स्वतंत्रता नहीं देना एक तरह से महिलाओं के लिए प्रताड़ना ही है। यह यदि सुरक्षा के दृष्टिकोण से है, तो निश्चित तौर पर महिलाओं के लिए उपयोगी है। पर महिलाओं को स्वतंत्र रूप से उनके कार्य क्षमता के अनुरूप काम ना करने दिया जाना,महिलाओं के स्वतंत्रता सशक्तिकरण में एक बड़ी रुकावट ही है।

आज का राशिफल

मेष :– भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनाने का प्रयास करें।

वृषभ :– नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा।

मिथुन :– विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। रोजगार क्षेत्र में क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

कर्क :– भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में मनोवांछित सफलता के आसार हैं। मन सुन्दर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

सिंह :– कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होगी। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा। घर में खुशहाल माहौल होगा।

कन्या :– भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे अपयश या लान्छन मिलने की आशंका हो।

तुला :– निकट संबंधो में भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में मनोवान्छित सफलता के आसार है। रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को खुश रखेगी।

वृश्चिक :– परिवार में कोई सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ मिलेगा। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के साथ मधुरता बनाएं।

धनु :– कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। विद्यार्थी शिक्षा–प्रतियोगिता में लापरवाही न बरतें।

मकर :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। किसी नये संबंध के प्रति निकटता बढ़ेगी। घर–परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होने की उम्मीद है।

कुंभ :– कुछ नये पारिवारिक तनावों से मन में अशांति का माहौल बनेगा। कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। शिक्षार्थी शिक्षा पर ध्यान दें। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य कतई न करें।

मीन :– नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। नकारात्मक चिंताएं उत्साह में कमी लाएंगी। क्रोध पर काबू रखें और आवेश में कोई निर्णय न लें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

कर्नाटक, कांग्रेस का मंथन, भाजपा को महामंथन

यूपी के निकाय चुनाव में क्लीन स्वीप करने वाली भाजपा के लिए करनाटक का चुनाव परिणाम वाकई चौकाने वाला है। भाजपा के शीर्ष नेताओं की चौबीस घंटे कसरत करने वाली मेहनत के बावजूद कर्नाटक में भाजपा की हार और कांग्रेस को बहुमत दोनों दलों के लिए मंथन और महामंथन का वक्त है। कांग्रेस जश्न तो मनाए लेकिन यह सोचकर अन्य राज्यों में उसके पास झण्डा उठाने वाले कार्यकर्ता नाम मात्र के रह गए है। उधर भाजपा को इस बॉत पर महामंथन करना चाहिए कि उसके शीर्ष नेता की विश्व प्रसिद्धि और भारत के अधिकाधिक राज्यों में सत्ता, केन्द्र में सत्ता होने के बावजूद उसके हाथ से दक्षिण क्यो निकल गया। महंगाई और बेरोजगारी से इतर धर्म के नाम पर चुनाव को कर्नाटक की जनता ने नकारा दिया है। कर्नाटक चुनाव के नतीजे बता रहे हैं कि कांग्रेस पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। हिमाचल में मिली कामयाबी के बाद इस बड़ी जीत को कांग्रेस के लिए संजीवनी कहा जा रहा है, बल्कि कांग्रेस को बहुत दिनों बाद इतनी सॉलिड जीत मिल रही है। नतीजों को देखते हुए कांग्रेस नेताओं का उत्साह चरम पर है। भाजपा ने काफी पहले से ही जाहिर कर दिया था कि वह चुनाव किन मुद्दों पर लड़ने जा रही है। यही वजह है कि उसने कभी हिजाब को मुद्दा बनाया तो कभी हलाल को। कभी टीपू सुल्तान का भव्य जन्म दिवस मनाने वाली भाजपा टीपू सुल्तान को भी मुद्दा बनाने से नहीं हिचकिचाई। हिजाब मामले की लड़ाई तो कर्नाटक की भाजपा सरकार ने अदालत तक जाकर लड़ी। ऐसे में जो चुनावी नतीजे सामने आ रहे हैं, उससे जाहिर है कि वहां की जनता ने उसके इन सारे मुद्दों को बुरी तरह नकार दिया। पार्टी सांप्रदायिक ध्रवीकरण कराने में असफल रही। अब ऐसे में इस साल के अंत में मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में चुनाव होने हैं। इनमें राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है। पार्टी पर इन राज्यों में अपनी सरकार को बचाने का दबाव होगा। वहीं मध्य प्रदेश में इस बार पूर्ण बहुमत में सरकार बनाने के लिए भी रणनीति बनानी होगी। उसे मिजोरम और तेलंगाना में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा। जीत के बावजूद कांग्रेस के लिए भी मंथन और चिंतन का समय है। उसे देखना होगा कि यह जीत क्या उसकी रणनीतिक विजय है या महज एंटी इनकम्बेंसी और भाजपा की गलतियों से मिली जीत है। कर्नाटक देश का एक अहम राज्य है। यहां बिहार–यूपी जैसी ज्यादा सीटें तो नहीं हैं, लेकिन इस राज्य को साउथ का एंट्री प्वाइंट माना जाता है। यहां मिली जीत का असर दूसरे राज्यों में भी पड़ेगा। यही वजह है कि बीजेपी ने चुनाव जीतने के लिए कड़ी मेहनत की थी। यह बात अलग है कि वह कर्नाटक के चुनाव में विकास और रोजगार जैसे मुद्दों के इतर अपने चिर–परिचित ध ार्मिक एजेंडे को लेकर ही आगे बढ़ती रही। यहां तक कि अप्रत्याशित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'बजरंग बली की जय' जैसे नारे भी लगवाते दिखे। पूरे चुनाव में प्रधानमंत्री ने पांच ट्रिलियन की इकॉनामी का एक बार भी जिक्र नहीं किया। न मेक इन इंडिया और न ही स्टार्टअप जैसे विषयों को छुआ। ध्यान देने की बात यह है कि कर्नाटक का अहम शहर बेंगलुरु को भारत का सिलिकॉन वैली माना जाता है। ऐसे राज्य में प्रधानमंत्री ने किसी विजन या सपनों को साकार करने की बात किसी भी चुनावी भाषण के दौरान नही कही। चुनाव के आखिरी दौर में तो सिर्फ बजरंग बली और गाहे–बगाहे 'केरल स्टोरी' फिल्म का जिक्र ही होता रहा। समझने वाली बात यह है कि ऐसे धार्मिक मुद्दे यूपी और बिहार में तो भुनाए जा सकते हैं, लेकिन इसे कर्नाटक, गोवा जैसे राज्यों में नहीं भुनाया जा सकता है। कर्नाटक में हमेशा सत्ता विरोधी कारक काम करता है। यहां 38 साल में कोई भी सरकार सत्ता में दोबारा नहीं आई। इस बार भी भाजपा सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर थी। बीजेपी अति आत्मविश्वास में रही और अंत तक उसने इस फैक्टर को महत्व ही नहीं दिया। उसे लगता रहा कि उसका विजयी रथ तेजी से दौड़ रहा है और वह राज्य में अपनी सरकार दोबारा स्थापित कर लेगी। इसके विपरीत कांग्रेस ने शुरू से ही करप्शन को मुद्दा बनाया। पार्टी ने 'चालीस फीसदी पेसीएम' का नारा दिया और देखते ही देखते करप्शन चुनाव का अहम मुद्दा बन गया। बीजेपी चुनाव के अंत तक इसकी काट नहीं कर सकी। बीजेपी पूरा चुनाव धार्मिक ध्रुवीकरण के भरोसे लड़ती रही। कर्नाटक के नतीजों को देखें तो कांग्रेस को ज्यादा फायदा अपनी रणनीति की जगह बीजेपी की कमजोरियों की वजह से मिला है। ऐसे में कांग्रेस के लिए भी यह चिंतन और मंथन का समय है कि अगर वह कामयाबी को निरंतरता में तब्दील नहीं कर पाई तो एक बार फिर से पार्टी वैंटिलेटर पर पहुंच जाएगी। कांग्रेस ने कर्नाटक में जिस आसानी से जीत हासिल कर ली, उससे यह स्पष्ट है कि भाजपा की बोम्मई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सकी। चुनाव परिणामों से यह भी स्पष्ट हुआ कि यदि कर्नाटक की तरह किसी राज्य की भाजपा सरकार का कामकाज जनता को संतुष्ट करने वाला न हो तो फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का करिश्मा भी एक हद तक ही काम कर सकता है। इसका संकेत हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों ने भी दिया था। कर्नाटक के नतीजों का लाभ आगामी विधानसभाओं और फिर लोकसभा चुनावों में भी मिलेगा। हर चुनाव की परिस्थितियां अलग होती हैं। इसके बावजूद यह भी सही है कि कहीं पर भी जीत–हार राजनीतिक दलों के मनोबल को प्रभावित करने और अन्यत्र माहौल बनाने का काम करती है।

कर्नाटक के चुनाव नतीजे इस दृष्टि से कांग्रेस के लिए भी बेहतर हैं। त्रिशंकु विधानसभा बनने के आसार अच्छे नहीं थे। जनता दल–सेक्युलर किंगमेकर बनने के जो सपने देख रहा था, वे पूरे नहीं हुए। नतीजे बता रहे हैं कि राज्य के मतदाता परिवर्तन के लिए मन बना चुके थे। यही कारण रहा कि भाजपा को अनुमान से भी कम सीटें मिलीं। यह अच्छा हुआ कि कर्नाटक के मतदाताओं ने कांग्रेस के रूप में किसी एक दल को बहुमत प्रदान करना पसंद किया और खिचड़ी सरकार की आशंकाओं को परे किया।

ऐसी सरकारें शासन प्रशासन के कामकाज को प्रभावित करने के साथ अस्थिरता का भी सामना करती रहती हैं। चुनाव नतीजों के बाद भाजपा को केवल खुले मन से हार स्वीकार ही नहीं करनी चाहिए, बल्कि उन कारणों पर गंभीरता से ध्यान भी देना चाहिए, जिनके चलते उसे पराजय का सामना करना पड़ा। यदि वह सत्ता विरोधी रुझान का सामना नहीं कर सकी तो इसके लिए वह अपने अलावा अन्य किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकती। उसने चुनाव में जो तमाम विषय उठाए, वे यदि कारगर साबित नहीं हो सके तो इसका यही अर्थ है कि जनता बोम्मई सरकार के काम से संतुष्ट नहीं थी। अभी यह कहना कठिन है कि कर्नाटक के चुनाव नतीजे राष्ट्रीय राजनीति पर क्या और कितना असर डालेंगे, लेकिन भाजपा के विरुद्ध विपक्ष को एकजुट करने की पहल को नए सिरे से बल मिल सकता है। विपक्षी एकता का भविष्य जो भी हो, उसकी पहल में कांग्रेस का पलड़ा भारी होगा। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव परिणाम पर मंथन किया जाए तो यह तय है कि उत्तर प्रदेश में स्मार्ट सिटी योजना के तहत सुस्त गति में चल रहे कामों, बेरोजगारी और मंहगाई जैसे मुद्दों से परेशान जनता ने शहर की सरकार कहे जाने वाले इस चुनाव में दिल खोलकर भाजपा पर प्रेम लुटाया यह अलग बॉत है कि भाजपा की कई नीतियों की पान गुमटियों से लेकर गांव के खलिहान तक बुराई होना आम बॉत है। समय समय पर मीडिया को कोसने वाली जनता ने उत्तर प्रदेश की सभी 17 नगर निगमों में भाजपा की पताका को फहराकर सिद्ध कर दिया कि उत्तर प्रदेश में हर हाल में भाजपा स्वीकार है।

अब अगर बॉत कर दक्षिण भारत की तो दक्षिण भारत में हिन्दु संवर्ग के दो खेमे में बटे होने के कारण भाजपा को दक्षिण भारत में हार का सामना करना पड़ा। **–प्रेम शर्मा**

निकाय चुनाव में चली बदलाव की बयार,जनता ने चलाई झाड़ू –संजय सिंह

आप ने अपने विजयी उम्मीदवारों को दी बधाई

निकाय चुनाव में आप ने छुआ 100 का आंकड़ा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । आम आदमी पार्टी का कारवां दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पूरे देश में बढ़ रहा है। हिंदुस्तान का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश,वहां जब भी आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ती थी तो जनता का भारी समर्थन नहीं मिलता था। लेकिन इस बार नगर निकाय चुनाव का नतीजा आया है,वह बहुत ही उत्साहजनक,अच्छा और एक शानदार एंट्री उत्तर प्रदेश में आप की हुई है। जनता ने बदलाव की राजनीति को वोट देने का श्रीगणेश किया और इस बार झाड़ू चलाई है। पूरे चुनाव में हमने जनता को अपने काम बतायें और दिल्ली मॉडल की चर्चा करी। उक्त बातें आप सांसद संजय सिंह ने पार्टी कार्यालय पर आयोजित पत्रकारवार्ता में कहीं। आगे उन्होंने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, तीर्थ यात्रा जैसे इन सभी मुद्दों पर चर्चा की। भगवंत मान की सरकार ने पंजाब में जो काम किया है उसकी चर्चा की। सांप्रदायिकता नहीं,नफरत नहीं, कोई जाति–धर्म की राजनीति नहीं, सिर्फ काम की राजनीति। नगर पालिका को हम कैसे बेहतर कर सकते हैं, उसके बारे में बातचीत की। प्रदेश में नगर पालिकाओं की क्या ताकत होती है सभी जानते हैं। वहां पार्षद या सभासदों के जरिए नगर पालिका के चेयरमैन नहीं चुने जाते हैं। नगर पालिका का चेयरमैन सीधे जनता के द्वारा चुना जाता है,इसलिए यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है। रामपुर जो लगभग 4 लाख की नगर पालिका परिषद है, वहां पर आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी सना 12000 वोटों से चुनाव जीती हैं। रामपुर में कैमरी की सीट से रफत जहां 6000 वोटों से जीती हैं। कौशांबी सराय अकील, जो केशव प्रसाद मौर्य यानी कि उप मुख्यमंत्री का क्षेत्र है, वहां पर अनूप सिंह पटेल चुनाव जीते हैं। वहीं,अलीगढ़ में 2000 अधिक वोटों से संजय शर्मा जीते हैं। बरसाना से विजय सिंह, महिला प्रत्याशी वहां से जीती हैं। बिजनौर के स्योहारा नगर पालिका परिषद से फैसल वारसी जीते हैं। मुजफ्फरनगर के शाहपुर की सीट से अकरम कुरैशी चुनाव जीते हैं। अमरोहा की जोया नगर पंचायत से आप के प्रत्याशी जुबैर अहमद विजयी हुए। मुरादाबाद जनपद की पाकबडा नगर पंचायत से मोहम्मद याकूब जीते हैं। इस तरीके से बहुत सारी सीटों पर हमने चेयरमैन का चुनाव जीता है। मुगलसराय में सोनू किन्नर नाम की एक हमारी समर्थित उम्मीदवार चुनाव जीती हैं। कई नगर पंचायतों में हमारे समर्थित उम्मीदवार जीते हैं। हमने सभासदों और पार्षदों के चुनाव में 100 का आंकड़ा छुआ। उत्तर प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में चेयरमैन और सभासद के चुनाव जीतना, इस बात को दर्शार्ता है कि अरविंद केजरीवाल की नीतियों एवं उनके कार्यक्रमों तथा उनके वादे और गारंटी पर प्रदेश की जनता ने मोहर लगाने की शुरूआत कर दी है। अब आप पार्टी और मजबूती के साथ अपने संगठन का विस्तार करेगी। कई पार्टियों को इस चुनाव में हमने पीछे छोड़ा है। 125 साल पुरानी कांग्रेस पार्टी से ज्यादा वोट मिले। प्रदेश में इस बात की चर्चा शुरू हुई कि अब सिर्फ जाति–धर्म की राजनीति नहीं, अब सिर्फ बांटने की नहीं, नफरत की नहीं बल्कि काम की राजनीति होगी।

कम मतदान होने के बावजूद शहर में भाजपा का ग्राफ बढ़ा

कानपुर। नगर निगम चुनाव में पिछली बार की तुलना में मतदान कम हुआ,लेकिन भाजपा के मत में इजाफा हुआ है। वोट कम पड़ने पर चुनाव विश्लेषकों ने भाजपा को नुकसान होने की आशंका जताई थी,लेकिन मतदाताओं ने भाजपा प्रत्याशी को भारी भरकम जीत दिलाकर राजनैतिक पंडितों की आशंका को गलत साबित किया।

पिछले निकाय चुनाव से 72 हजार 712 से ज्यादा वोट मतदाताओं ने भाजपा की झोली में डाल दिए। 2017 के निकाय चुनाव में 21 लाख 35 हजार 72 मतदाताओं में से नौ लाख 42 हजार 497 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इस तरह तब 44 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार 22 लाख 17 हजार 517 वोटर थे। इनमें से 41.34 मतदाताओं ने ही वोट डाले थे। कम मतदान होने पर राजनीतिकों के बीच चर्चा का विषय था कि यह संकेत भाजपा के लिए ठीक नहीं है। इन सभी कयासों को भाजपा के पक्ष में आए परिणाम ने खारिज कर दिया है।

लेकिन इस बार पड़े नौ लाख 16 हजार 735 मतों में से भाजपा को 48.03 प्रतिशत मिल गए।

वृद्धा आश्रम में आयोजित मातृ दिवस कार्यक्रम में सम्मानित होती कवयित्री उष्मा वर्मा व अंजली सिंह

कवयित्री उष्मा वर्मा व अंजली सिंह को को मातृश्री सम्मान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। मातृ दिवस,मदर्स डे के अवसर पर अयोध्या धाम चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा महिला वृद्धा आश्रम स्थित श्रवणकुंज मन्दिर नयाघाट, अयोध्या में परिचर्चा व सम्मान समारोह आयोजित करके तथा 02 माताओं को मातृश्री सम्मान देकर धूमधाम से आयोजि किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महंत डा. ममता शास्त्री दर्शनभवन जानकीघाट, विशिष्ट अतिथि महंत रामेश्वरी दासी श्रवणकुंज मन्दिर, ने माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अयोध्या धाम चौरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय महेन्द्रा, महामंत्री प्रतीक भज्जा, कोषाध्यक्ष एकता टण्डन, उपाध्यक्ष सचिन सरीन, आरती शुक्ला, नीलम श्रीवास्तव ने अतिथियों का माल्यार्पण व पटका पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत व अभिनन्दन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों द्वारा श्रीमती अंजलि सिंह माता ऋषि सिंह विजेता इण्डियन आइडल तथा जिले की जानी–मानी कवियत्री श्रीमती उष्मा वर्मा को मातृश्री सम्मान से सम्मानित किया गया। जिसका स्वागत व अभिनन्दन सैकड़ों की संख्या में कार्यक्रम

में उपस्थित महिलाओं व पुरूषों ने तालियों की गड़–गड़ाहट से किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महंत डा. ममता शास्त्री ने कहा कि माँ हमारी पहली आध्यात्मिक गुरू होती हैं जो हमें सही मार्गदर्शन पर ले जाने का मार्ग दिखाती हैं। हम उसे किसी भी कीमत पर नहीं खोना चाहते जगजननी है। विशिष्ट अतिथि महंत रामेश्वरी दासी ने कहा कि माँ का ऑचल अपनी संतान के लिये छोटा नहीं पड़ता। माँ का प्रेम अपनी संतान के लिये अटूट होता है। ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय महेन्द्रा ने कहा कि माँ ममता की मूर्ति हैं माँ की ममता अनमोल होती है जिसका कोई मूल्य व तोड़ नहीं है, वह दुनिया की सबसे कीमती व ताकतवर होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं श्रीमती मीनू कपूर पूर्व प्रधानाचार्य आर्य कन्या इण्टर कालेज ने कहा कि माँ का रिश्ता व प्रेम अपने पुत्र के लिये गहरा व अटूट होता है जिसका कर संतान कभी भी नहीं चुका सकता। कार्यक्रम में कवियत्री उष्मा वर्मा, कवियत्री अर्चना द्विवेदी व सुनीता पाठक ने अपनी रचनाओं से उपस्थित लोगों का मन मोहित कर दिया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट की कोषाध्यक्ष एकता टण्डन ने किया।

संक्षिप्त खबरे

घर में घुसकर चाचा ने युवती के साथ की छेड़छाड़

लखनऊ । राजधानी के नाका कोतवाली क्षेत्र में एक एक युवती ने अपने चाचा पर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है कि उसके चाचा ने घर में घुसकर पहले उसके पिता को पीटा फिर उसके साथ छेड़छाड़ किया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मौलवी गंज निवासी एक युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पिता काफी दिनों से बीमार चल रहे है। बीती रात वह अपने पिता के साथ बैठी थी तभी उसके चाचा फिराजुल हसन आ धमके। इसके बाद उसके पिता को पीटना शुरू कर दिया। जब उसने विरोध किया तो उनके साथ भी छेड़छाड़ की। शोर मचाने पर जब पड़ोसी दौड़े तब उसका चाचा जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दिया है।

अलर्ट :परिवार गया शादी समारोह में, चोरों ने साफ कर दिया घर

लखनऊ । राजधानी क्षेत्र में घर छोड़कर जाना खतरे से खाली नहीं है। क्योंकि ऐसे घरों की तलाश में चोर घूमते रहते है और मौका पाते ही घर के ताले तोड़कर सारा समान साफ कर देते है। ऐसा ही कुछ मामला थाना कैंट क्षेत्र में प्रकाश में आया। यहां पर रहने वाला एक परिवार घर का ताला बंद करके शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से बाहर गया। इधर चोरों ने मौका पाकर सूने घर का ताला तोड़कर नकदी व जेवरात समेट लिया। परिवार वालों को इसकी जानकारी शादी समारोह से लौटने के बाद हुई। पीड़ित ने थाने में जाकर इस मामले की तहरीर दी है। सवार्नंद सिंह पुत्र हरी नारायण सिंह निवासी कटहरी बाग निलमथा थाना कैंट ने पुलिस को सूचना दिया कि वादी 17 वर्षों से अपने उक्त मकान में रह रहा है। आठ मई को वादी सपरिवार अपने पैतृक आवास गांव छपरा बिहार में शादी समारोह में चला गया था। 12 मई को समय करीब साढ़े सात बजे अपने लखनऊ स्थित मकान पर वापस आया औश्र अपने घर के मेन गेट का ताला खोलकर अंदर गया तो देखा कि घर में रखा सारा समान अस्त–व्यस्त पड़ा था और सामान गायब था। पीड़ित ने दी तहरीर में बताया कि उसके घर में अज्ञात चोरों ने घुसकर सोने–चांदी के कीमती जेवरात, नकदी, चांदी के बर्तन, कपड़े, जरूरी कागजात व अन्य समान चोरी कर लिया है।

पत्नी को बचाने के प्रयास में पति भी ट्रेन की चपेट में आया,दोनों की मौत

कानपुर। धौरसलार रेलवे स्टेशन के पास पत्नी को बचाने के प्रयास में पति भी ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों की मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर दंपती के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार दोपहर एक व्यक्ति व महिला धौरसलार रेलवे स्टेशन पर खड़ी थी। इस बीच कानपुर की ओर जा रही एक्सप्रेस ट्रेन को देखकर महिला पटरी पर कूदने लगी। पास खड़ा व्यक्ति महिला को खींचने का प्रयास करने लगा। इस बीच दोनों तेजी से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों के शव क्षत–विक्षत होकर 50 मीटर दूर तक बिखर गए। वही ट्रेन बिना रुके चली गई। आसपास लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। बिल्हौर थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि तलाशी के दौरान युवक के पास एक कागज में मोबाइल नंबर लिखा मिला। उक्त मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर हितकारी नगर, काकादेव, कानपुर निवासी दीप गुप्ता ने हुलिया व कपड़ों के आधार पर मृतकों की पहचान अपने पिता संतोष गुप्ता (50) और मां निर्मला गुप्ता (48) के रूप में की। बेटे दीप गुप्ता ने बताया कि पिता घर पर ही जनरल स्टोर की दुकान चलाते थे। शनिवार को पिताजी मां के साथ रावतपुर स्थित ससुराल में आयोजित सुंदरकांड में शामिल होने गए थे वह भी पत्नी के साथ वहां गया था। देर रात मां और पिताजी घर वापस लौट गए थे। सुबह जब वह पत्नी के साथ घर पहुंचा। तो दरवाजे खुले पड़े थे और घर पर कोई नहीं था। इसके बाद परिवार के लोग उन्हें ढूंढ रहे थे। इस बीच पुलिस से हादसे की सूचना मिली। थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि,शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है स्वजन को सूचना दे दी गई है।

विद्युत पोल गिरा, हो सकता है कोई हादसा

मिश्रिख (सीतापुर)। महर्षि दधीचि की पावन तपो भूमि पर स्थित पवित्र दधीच कुंड तीर्थ पर कई दिनों से एक विद्युत पोल गिरा पड़ा है। जिससे कोई बड़ा हादसा हो सकता है। विद्युत विभाग में तैनात जिम्मेदारों की लापरवाही उजागर हो रही है। जानकारी के मुताबिक बीते 1 सप्ताह से स्ट्रीट लाइट का एक विद्युत पोल जर्जर होकर पलट गया है। उसमें लगी कई स्ट्रीट लाइटों को अज्ञात चोर खोल ले गए हैं। स्थानीय निवासियों द्वारा कई बार विद्युत विभाग के कर्मचारियों को सूचना दी गई। परन्तु उनके व्दारा अभी तक इस विद्युत पोल को खड़ा नहीं किया जा सका है। यहां के स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराते हुए गिरे पड़े विद्युत पोल को लगवाए जाने की मांग की हैं।

दो पक्षों में मारपीट, चार लोगों पर केस दर्ज

गोसाईगंज–अयोध्या। गोसाईगंज कोतवाली इलाके के एक गांव में दो पक्षो बीच मारपीट हो गयी। मामले में कोतवाली पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। संगम दूबे का पुरवा(खिरौनी)निवासी बृजेशकुमार पुत्र ब्रह्मादीन का कहना है कि शुक्रवार को बच्चो के लेकर गांव के ही एक ब्यक्ति से विवाद हो गया था। आरोप है कि शनिवार की देर शाम नौ बजे उसी विवाद को लेकर गांव निवासी गोलू पुत्र गोविंद,अंकेश पुत्र केशवराम,अमित उर्फ छब्बू पुत्र रामअछैबर व रमेश पुत्र राम अछैबर गोलबंदी कर आये और अपशब्द कहते हुए लाठी डंडे से मारने लगे। गोहार लगाने पर गांव के लोग दौड़े और बीच बचाव कराया,जिसपर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।

सरेराह बाइक से घूमकर चेन छीनने वाले गिरफ्तार

चेन स्नैचरों से तीन गले की चेन दो अवैध देशी तमंचा तथा चार जिंदा कारतूस किया बरामद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । प्रभारी निरीक्षक मड़ियांव अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना मड़ियांव पुलिस टीम व क्राइम ब्रांच, सर्विलांस क्राइम पुलिस टीम उत्तरी द्वारा दो शातिर चेन स्नैचरों को गिरफ्तार कर तीन गले की चौन पीली धातु, दो अवैध देशी तमंचा तथा चार जिन्दा कारतूस 12 बोर व घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गयी। इन्हीं शातिर चेन स्नैचरों न मड़ियांव में दो दिन पहले एक महिला के गले से सोने की चेन छीनकर भागे थे। तभी से पुलिस को इनकी तलाश थी। रविवार को जाकर मड़ियावं पुलिस को सफलता हाथ लगी। 12 मई को सरोज दीक्षित पत्नी चन्द्र किशोर दिक्षित निवासी भरतनगर निकट न्यू इरा स्कूल थाना मड़ियांव द्वारा मोटर साईकिल पर सवार दो अज्ञात लड़कों द्वारा वादिनी मुकदमा के गले से सोने की चेन छीनकर कर भाग जाने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र के माध्यम से सूचित किया। जिसके आधार पर पुलिस

ने दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी। रविवार को थाना मड़ियांव पुलिस टीम तलाश वांछित अभियुक्त व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति वाहन में भिठौली तिराहे पर मौजूद थी तथा आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रही थी कि एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति गल्लामंडी की तरफ से सीतापुर रोड पर आते दिखाई दिए। चेकिंग कर रही पुलिस टीम के पास पहुंचने पर पुलिस टीम को चेकिंग करते देख मोटरसाइकिल वापस मोड़ कर भागने का प्रयास किये। मोटरसाइकिल सवार हड़बड़ा मोटरसाइकिल से गिर गए, जिस पर पुलिस टीम द्वारा दोनों व्यक्तियों को घेर कर मौके पर पकड़ लिया गया। पकड़े गए व्यक्तियों से उनका नाम पता पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम पता क्रमशरू असलम टाडा पुत्र रफीक निवासी बखरिया टोला कस्बा बेलहरा थाना मोहम्मदपुर खाला जनपद बाराबंकी उम्र करीब 30 वर्ष, अतीक पुत्र मुस्तफा निवासी भदमरा थाना रेउसा जनपद सीतापुर उम्र करीब 39 वर्ष बताया। पुलिस को चेकिंग करता देख भागने का प्रयास करने के बारे में सख्ती से पूछताछ की गयी तो दोनों ने बताया कि साहब हम दोनों इसी मोटरसाइकिल से घूम कर राह चलते लोगों के गले में पहनी चेन को छीन कर भाग जाते हैं तथा अपनी सुरक्षा के लिए अवैध तमंचा कारतूस भी रखते हैं। हम दोनों के पास लूट की चौन तथा तमंचा मौजूद है।

पुलिस उपायुक्त उत्तरी द्वारा पुलिस टीम को 15 हजार रुपये का नकद पुरस्कार भी दिया गया। बताया कि अभियुक्त अतीक का लंबा अपराधिक इतिहास है। इसके खिलाफ अलीगंज, गुडंबा, गाजीपुर, विकासनगर, गोमतीनगर, जानकीपुरम, बीकेटी, मड़ियावं थाने में विभिन्न धाराओं को मुकदमा दर्ज है।

बाइक सवार युवक से बदमाशों ने 2500 रुपए नकद और मोबाइल लूटा

कानपुर। घाटमपुर के साढ़ में दौलतपुर मोड़ के पास बाइक सवार युवक के सिर पर पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने डंडा मारकर गिरा दिया। जिसके बाद बदमाशों ने बाइक सवार युवक से 2500 रुपए नकद और मोबाइल फोन लूट कर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। बिधनू थाना क्षेत्र के अफजलपुर गांव निवासी राम नारायण पुत्र स्व पुत्तिलाल ने साढ़ थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दिया। बताया कि शनिवार देर रात वह बाइक से अपने मामा के लड़के की शादी में जहानाबाद जा रहे थे। जैसे ही वह दौलतपुर मोड़ के पास पहुंचे तभी पीछे से आए बाइक तीन बदमाशों ने बाइक सवार युवक के सिर पर जोरदार डंडा मारा। उन्होंने सिर पर हेलमेट पहन रखा था। जिससे वह बाल बाल बच गए। जिसके बाद बाइक सवार बदमाशों ने उनके 2500 रुपए नकद और मोबाइल फोन लूट कर भाग निकले।

युवक ने राहगीरों की मदद से पुलिस को घटना की सूचना दी।

सर्राफा व्यवसाई के साथ हुई लूट का पुलिस ने किया खुलासा

लालगंज,रायबरेली । लालगंज प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह ने एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ मिलकर सर्राफा व्यवसाई के साथ लूट करने वाले बदमाशों को पकड़ने में जबरदस्त सफलता हासिल की है । लूट का माल बरामद करते हुए दोनों बदमाशों को जेल भेज दिया है। बताते चले कि कोतवाली क्षेत्र के फतेहपुर रोड पर जनता बाजार के निकट 29 अप्रैल की शाम बाइक सवार बदमाशों ने एक सराफा व्यवसाई को पीटकर उससे सोने चांदी के जेवरात और नगदी लूट ली थी। लालगंज पुलिस ने लूट की घटना को चुनौती मानते हुए बदमाशों को पकड़ने का अभियान छेड़ रखा था। पुलिस अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लगाकर अपराधियों की धरपकड़ में लगी थी। पीड़ित सर्राफा व्यवसायी लालगंज निवासी राजेश सोनी उर्फ गुड्डू की गंगागंज में काजल ज्वेलर्स नाम से दुकान है। जिसके साथ बाइक सवार बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया था। शनिवार को मुखबिर की खास सूचना पर दो बदमाश उस समय बाइको के साथ पुलिस के हत्थे लग गये जब लूट का माल बेचने जा रहे थे । कोतवाली प्रभारी शिव शंकर सिंह ने बताया कि सर्राफा व्यवसाई के साथ हुई लूट की घटना को लेकर पुलिस की कई टीमें लगाई गई थी जिसमें शनिवार को पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी । उन्होंने बताया कि लूट की घटना को कारित करने वाले बदमाश सौरभ पाल पुत्र रामविलास गंगागंज गेगासो और हरकेश सिंह पुत्र कालिका सिंह पूरेबैशन मजरे गेगासो थाना सरेनी के निवासी हैं। उनके पास से 17 हजार रुपए नगद, 7 अदद पायल ,10 अदद बिछिया बरामद हुई है । साथ ही लूट की घटना में प्रयुक्त दो बाइके भी बदमाशों के कब्जे से बरामद की गई है । दोनों बदमाशों को पकड़ कर जेल भेज दिया गया है। बदमाशों को पकड़ने वाली टीम में कोतवाल शिव शंकर सिंह, चौकी इंचार्ज राजेश यादव ,हल्का दरोगा मालिक राम साहनी ,यसओजी प्रभारी संजय सिंह ,सर्विलांस के दरोगा चंद्र प्रताप सिंह सहित सिपाही शुभम सिंह, नितिन परमार ,अनूप चाहर ,वीरेंद्र यादव आदि शामिल रहे।

भाजपा की रणनीति आई काम, खैराबाद में खिलाया कमल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सीतापुर। नगर पालिका चुनाव की बात करें तो पंचायत चुनाव की तरह नगर पालिका चुनाव में भी भाजपा की रणनीति काम आई है। खासकर खैराबाद नगर पालिका इस संघर्ष की गवाह है, जहां आजादी के बाद पहली बार कोई भाजपा का अध्यक्ष बना है। यहां बता दें कि खैराबाद नगर पालिका में लंबे समय से इस सीट पर अल्पसंख्यक वर्ग का प्रत्याशी ही जीतता रहा है। बात अगर दलीय प्रत्याशियों की करें तो आजादी के बाद खैराबाद में दलीय प्रत्याशियों को ज्यादामर हार का मुंह देखना पड़ा। वर्ष 2017 में निकाय चुनाव को छोड़ दें, तो यहां हर बार अध्यक्ष पद पर निर्दलीय प्रत्याशी ने ही जीत हासिल की है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी ने बेबी गुप्ता को खैराबाद नगर पालिका से अध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाया। जिम्मेदारी मिली तो जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने जीत की रणनीति तय की। भाजपा जिलाध्यक्ष ने युवा मोर्चा

के जिला महामंत्री अनूप विश्वकर्मा को खैराबाद के सह चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी दी। अनूप विश्वकर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की टीम इतिहास दर्ज कराने में जुट गई। चुनाव को लेकर हर दिन जो भी रणनीति तैयार होती, उसकी रिपोर्ट प्रतिदिन जिलाध्यक्ष अचिन मेहारोत्रा को दी जाती। जिलाध्यक्ष ने भी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से कहा कि इस बार उन्हें इतिहास बनाना है, आजादी के बाद से लेकर अब तक जो नहीं हुआ– वह करके दिखाना है। सह चुनाव प्रभारी अनूप विश्वकर्मा ने अभिषेक गुप्ता आदि के साथ दिन रात एक कर कार्यकर्ताओं मे ंजोश जगाया और कार्यकर्ता चुनाव प्रचार मे ंलगे रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार व प्रदेश की योगी सरकार की योजनाओं की जानकारी घर–घर तक पहुंचाई और भाजपा के विकास कार्यों को लेकर वोट मांगे। कार्यकर्ता घर–घर पहुंचे तो लोगों ने भाजपा पर विश्वास जताया। नतीजा लोगों ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया। नतीजा चुनाव परिणाम के रूप में समने आया।

आर्ट्स कॉलेज के छात्रावास पर दबंग छात्रों ने किया पथराव

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय के रणबीर सिंह बिष्ट छात्रावास पर शनिवार देर रात लविवि के सुभाष हॉस्टल के करीब चार–पांच छात्रों ने पथराव कर दिया,जिससे खिड़कियों के शीशे वगैरह टूट गए। इतना ही नहीं इन दबंग छात्रों ने छात्रावास के गेट को भी तोड़ने का प्रयास किया। वहीं,अंदर मौजूद छात्रों ने जब शोर मचाया और वीडियो बनाने लगे तो दबंगों ने अपने 10–12 साथी छात्रों को फोन करके वहां बुला लिया और गाली–गलौज करते हुए खूब हंगामा काटा। काफी देर तक हंगामा होता देख अन्दर मौजूद छात्रों ने कॉलेज प्रशासन और पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस के आने से पहले ही दबंग छात्र वहां से फरार हो गए। वहीं, इस बारे में छात्रावास के प्रोवोस्ट डा.रविकांत पांडेय ने तरुणमित्र संवाददाता को बताया कि वर्तमान में आर्ट्स कॉलेज के छात्रावास में एक दर्जन से अधिक छात्र रहकर विभिन्न कोर्सों में शिक्षा हासिल कर रहे हैं। डा. रविकांत के अनुसार शनिवार देर रात करीब 11.30 बजे कुछ युवक मुंह पर कपड़ा बांधकर छात्रावास के बाहर आए और छात्रों को बाहर निकलने की ध मकी देने लगे और ईंट–पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। जिससे एक छात्र चोटिल होने से बाल–बाल बचा।

छात्रों ने पथराव करने वाले युवकों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। इसके बाद उन्होंने मुझे सूचना दी तो मैंने चीफ प्रोवोस्ट और लविवि पुलिस चौकी प्रभारी को मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुभाष हॉस्टल के ही कुछ छात्र नशे में छात्रावास पहुंचे थे और पथराव कर दिया था। डा.रविकांत ने बताया कि रविवार को पुलिस और प्रॉक्टर ने सुभाष हॉस्टल जाकर उन छात्रों के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही कॉलेज प्रशासन द्वारा लिखित शिकायत स्थानीय पुलिस को दी गई है। वहीं,पुलिस द्वारा मामले की जांच कर दोषी छात्रों पर उचित कानूनी कार्रवाई किये जाने की बात कहीं गई है।

सीसीटीवी में कैद हमलावरों की तस्वीर

डीएम आवास के समीप अवध आर्थो सेन्टर में दबंगो का कहर

अयोध्या। जिलाधिकारी आवास के समीप सिविल लाइन स्थित अवध आर्थो चिकित्सा केन्द्र के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. अब्दुल सलाम की गैर मौजूदगी में उनके हॉस्पिटल के ऑपरेशन थियेटर में घुसकर तोड़फोड़ करने एवं विरोध करने पर कर्मचारियों पर प्राण घातक हमला करना तथा मारपीट कर धमकाना तथा 50 हजार का नुकसान करना दबंग हमलावर को महंगा पड़ गया। हलांकि मामले में डॉ. अब्दुल सलाम के तहरीर पर कोतवाली नगर में जगनपुर रौनाही थाना क्षेत्र के निवासी दबंग हमलावर अब्दुल कलाम खान व अज्ञात हमलावरों के विरूद्ध गम्भीर अपराधों में मुकदमा पंजीकृत किया गया है साथ ही कोतवाली नगर में अपराध संख्या–273 ६ 2023 अन्तर्गत धारा 323, 427, 452, 504, 506 व 3 ए उत्तर प्रदेश चिकित्सा परिचर्या सेवा कर्मी और संस्था में हिंसा फैलाकर सम्पत्ति को छति पहुँचाने के मामले में विवेचना

शुरू हो गई है वहीं स्थानीय पुलिस ने नामजद दबंग आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी का प्रयास भी शुरू कर दिया है। मामला नगर कोतवाली अन्तर्गत सिविल लाइन स्थित अवध आर्थो चिकित्सा केन्द्र का विगत 30 अप्रैल के दोपहर का है। नगर कोतवाली में दर्ज मुकदमें के मुताबिक 30 अप्रैल 2023 को हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. अब्दुल सलाम जब अस्पताल में नहीं थे दिन के सवा 1 बजे जगनपुर रौनाही निवासी गांव अब्दुल कलाम खान आदि अस्पताल में आये और जोर–जोर से चिल्लाते हुए भद्दी–भद्दी गालिया दिया इस दौरान अस्पताल में मौजूद कर्मचारियों रामप्यारे प्रजापति रोहित कुमार राहुल बाल्मीकी को ऑपरेशन थियेटर में घुसकर बाहर ले आये और गैलरी में बेरहमी से मारा–पीटा और गला दबाते हुए अस्पताल के बाहर वेटिंग हॉल में ले आये और वहाँ भी मारा–पीटा इस दौरान अस्पताल में भगदड़ मच गयी मरीज व उनके तीमारदार तथा अन्य स्टाफ भी डरकर ईधर–उधर भागने लगे।

अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर पर हुई कार्रवाई

बछरावां,रायबरेली । स्थानीय कस्बे के शिवगढ़ मार्ग पर संचालित शिव सागर हॉस्पिटल में अधिकारियों की छापेमारी के दौरान अवैध रूप से चलाया जा रहा मेडिकल स्टोर पाया गया। यह छापेमारी दो दिन पूर्व शारदा नहर के किनारे कुछ दवाएं प्राप्त होने पर की गई थी। दवाओं के लावारिस पड़े होने की सूचना पर पहुंची स्थानीय अस्पताल की टीम द्वारा जांच की गई जिसमें पता चला कि सभी दवाएं एक्सपायर हैं। तथा यह दवाएं किसी अस्पताल की ना होकर प्राइवेट मेडिकल स्टोर की है। अस्पताल के जिम्मेदार चिकित्सकों द्वारा इसकी सूचना सीएमओ को दी गई। सूचना पाकर एसीएमओ डॉ अरविंद कुमार एवं ड्रग इंस्पेक्टर शिवेंद्र सिंह व स्थानीय सीएचसी में तैनात डॉ प्रभात मिश्रा ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। और दवा मिलने के स्थान से कुछ दूरी पर संचालित शिवसागर हॉस्पिटल का निरीक्षण किया गया जिसमें अस्पताल के अंदर चल रहे अवैध मेडिकल स्टोर का खुलासा हुआ।

बिधनू में चाकू से गोद अधेड़ की निर्मम हत्या,शव के पास महिला की चप्पल मिली

कानपुर। घाटमपुर के बिधनू में दीनदयालपुरम में अधेड़ की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। हत्या के बाद से साथ रहने वाला भतीजा फरार है। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची। बिधनू पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस ने फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए है। मूलरूप से हरदोई के रहने वाले सुनील सोनी (55) बीते 20 साल से दीनदयालपुरम केडीए कालोनी में रह रहे थे। वह दादानगर स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में काम करते थे। बीते दो साल पहले कोरोना बीमारी से पत्नी विमला की मौत हो गई थी। जिसके बाद बर्रा निवासी छोटे भाई अनिल का बेटा कृष्णा, सुनील के साथ रह रहा था। पड़ोसियों के मुताबिक सुनील शनिवार को फैक्ट्री गए हुए थे। शाम के करीब 6 बजे कृष्णा एक युवती को लेकर कालोनी में गया हुआ था। करीब रात नौ बजे सुनील फैक्ट्री से लौटे। करीब 30 मिनट बाद कृष्णा युवती के साथ कालोनी से निकला और बाइक से कहीं चला गया। रविवार सुबह करीब छह बजे बिजली कर्मी मीटर रीडिंग करने आया। बिल देने के लिए उसने दरवाजे को धक्का देकर खोला तो देखा सामने के कमरे में जमीन पर सुनील का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ था। जिसपर उसने पड़ोसियों को जानकारी दी। जानकारी पर पुलिस फारेंसिक टीम संग पहुंची। इधर घटना के बाद से भतीजा कृष्णा और लड़की फरार है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला में बताया कि घटना की जांच की जा रही है। जल्द मामले का खुलासा किया जायेगा।

गले और चेहरे को चाकू के कई वार करके गोदा गया फारेंसिक जांच के दौरान सुनील के मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और गले और चेहरे को चाकू के कई वार करके गोदा गया था। शव के पास महिला की चप्पलें पड़ी थी। पुलिस भतीजे के मौके से फरार होने और महिला की चप्पलें और दुपट्टा पड़ा होने से आशनाई के विरोध पर हत्या करने का अनुमान लगा रही है। पुलिस भतीजे कृष्णा की तलाश कर रही है। बेड पर ही सिर पर किसी भारी चीज से वार कर हत्या की गई है। जिसके बाद गला रेता गया होगा। टीम ने रिपोर्ट पुलिस को सौंपी है।

आईसीएसई और आईएससी के रिजल्ट घोषित

बीएचएस के सार्थक और जीएचएस की मावरा नसीब का यूपी में तीसरा स्थान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट उग्जामिनेशंस बोर्ड की 10वी व 12वीं का परिणाम घोषित कर दिया गया है। ब्वायज हाईस्कूल के सार्थक सिंह ने 99.4:अंक प्राप्त कर प्रदेश में तीसरी रैंक हासिल की है। जिले में इनका पहला स्थान है। 12वी में गर्ल्स हाईस्कूल की मावरा नसीब ने 99.25 परसेंट अंक प्राप्त कर प्रदेश में तीसरी रैंक प्राप्त की है। जिले में इनकी पहले रैंक है। जीएचएस में हुयूमैनिटीज से इंटर की परीक्षा देने वाली मावरा ने बताया कि उनका सपना आईएएस अधिकारी बनना है। उन्हें शुरू से ही प्रशासनिक सेवा प्रभावित करती रही है। उनके पिता नसीब अहमद इंडियन बैंक में डीजीएम के पद से रिटायर हैं। मां गौसिया नसीब हाउस वाइफ हैं। शुरू से ही मेधावी रहीं मावरा ने हाईस्कूल की परीक्षा में 96.6 परसेंट अंक हासिल किए थे। मावरा ने बताया कि उसे अपनी सिलेबस की किताबों के लावा नॉवेल पढ़ना पसंद है। स्पेशली थ्रिलर नॉवेल। खालिद हुसैनी की द काइट रनर उन्हें सबसे ज्यादा

पसंद है। बिशप जॉनसन स्कूल एंड कॉलेज का रिजल्ट 99 : रहा है। प्रिंसिपल डॉ. विशाल सिंह ने बताया कि हमारे यहां पे में राम मंधान ने 98 परसेंट अंक हासिल कर टॉप किया है। उसे सीटीए में 100 में 100 अंक मिले हैं। इसके अलावा गणित में 99 अंक प्राप्त हुए हैं। प्रियांशू सिंह ने 97.8 परसेंट अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उसे गणित में 100 में 100 अंक मिले हैं। तनमय प्रताप गौतम को तीसरी रैंक मिली है। उसे 97: अंक मिले हैं। तनमय को सीटीए में 99 अंक मिले हैं। चौथी रैंक हर्षित कुमार की रही है। हर्षित को 95.2: अंक मिले हैं। उसे भी सीटीए में 100 अंक मिले हैं। पांचवीं रैंक उन्ति द्विवेदी की रही है। उसे 95 : अंक मिले हैं। इसी तरह अत्कर्ष केसरवानी ने आईएससी में 95.25: अंक हासिल कर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उसे बायो में 100 अंक मिले हैं। दूसरी रैंक अनमोल कुशवाहा को मिली है। उसे 95:अंक हासिल हुए हैं। शैली मौर्या 94.75:अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही हैं। उसे भी बायो में पूरे 100 अंक मिले हैं। चौथा स्थान अमिताभ पटेल का रहा है। उसे 95.50 : अंक हासिल हुए हैं। सेजल सिंह ने 93.50 : अंक हासिल कर पांचवां स्थान हसिल किया है।

प्रयागराज में खुलेगा प्रदेश का पहला सीनियर सिटीजन केयर सेंटर

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में योगी सरकार की तरफ से वृद्धजनों को समर्पित एक सर्व सुविधा युक्त सीनियर सिटीजन केयर सेण्टर का निर्माण किया जाएगा। स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत इसे शहर में बनाया जा रहा है। इसके सफल होने के बाद राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में भी ऐसे कई केंद्र खोले जाएंगे। औद्योगीकरण तथा नगरीकरण की वजह से समाज में संयुक्त परिवार का स्थान केन्द्रक परिवार ले रहे हैं। शहरी कामकाजी पीढ़ी रोजगार, नौकरी और आर्थिक जरूरतों के चलते परिवार के बुजुर्गों के लिए समय नहीं दे पाती है। ऐसे में बुजुर्ग खुद को अकेला और निराश्रित महसूस करने लगते हैं। योगी सरकार वृद्धजनों के इस अकेलेपन को भरने के लिए सीनियर सिटीजन केयर सेण्टर की स्थापना कर रही है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इसका निर्माण हो रहा है। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीईओ चंद्र मोहन गर्ग बताते हैं कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रयागराज में इसका निर्माण हो रहा है जिसको नाम दिया गया है उल्लास । इसके लिए स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत टेंडर भी जारी किया जा चुका है और अब 15 मई को इसकी तकनीकी बिड खुलनी है।

भाजपा ने चुनाव ही नहीं बल्कि प्रयागराज की जनता का दिल भी जीताः गणेश केसरवानी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित महापौर एवं भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने नगर निगम के चुनाव में प्रचंड विजय के बाद आज उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पार्क में पहुंचकर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर सांसद रीता बहुगुणा जोशी, सांसद केसरी देवी पटेल पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौड़ एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि प्रयागराज नगर निगम में मिली प्रचंड विजय भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं एवं भारतीय जनता पार्टी के विचारों की जीत है। इस अवसर पर नवनिर्वाचित महापौर गणेश केसरवानी ने पार्टी कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा ने नगर निगम का चुनाव ही नहीं बल्कि प्रयागराज की जनता का दिल भी जीता है और जिस विश्वास के साथ प्रयागराज की जनता ने प्रचंड बहुमत के साथ जिताया है उस विश्वास पर मैं खरा उतरूंगा। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर नवनिर्वाचित महापौर गणेश केसरवानी पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रतिमा पार्क, क्रांतिकारी चंद्रशेखर

आजाद पार्क, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, छुनंन गुरु की प्रतिमा पर पहुंच कर उन्हें नमन किया और सांसद केसरी देवी पटेल के आवास पर पहुंचकर उनका आशीर्वाद लिया। साथ ही विहिप कार्यालय केसर भवन एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पहुंचकर वरिष्ठों का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम का संचालन वरुण केसरवानी एवं कुंज बिहारी मिश्रा ने किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडे, अवधेश चंद्र गुप्ता, कमलेश गौतम, शशि वार्ष्णेय, पदुम जायसवाल, ,रमेश पासी, राजेश केसरवानी, श्याम चंद्र हेला, आशीष गुप्ता, रमेश पासी, राजू पाठक, प्रमोद मोदी,गिरजेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, सचिन जायसवाल, सुभाष वैश्य, राजन शुक्ला, प्रेमलता श्रीवास्तव, रोहित पप्पू पांडे, पवन मिश्रा, शिखा खन्ना, सरोज गुप्ता, रीता सिंह, जयवर्धन त्रिपाठी, वंदना सिंह, रेखा यादव, स्मृति श्रीवास्तव, रीता वर्मा,अजय अग्रहरि, शत्रुघ्न जायसवाल, मनोज मिश्रा, चंद्रा अहलूवालिया, एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरे

पुलिस कमिश्नर एवं जिलाधिकारी परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया

प्रयागराज। पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा एवं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री रविवार को पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2023 के दृष्टिगत विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण करते हुए परीक्षा के संचालन की स्थिति का जायजा लिया तथा परीक्षा को सकुशल ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे।

थाना करछना पुलिस द्वारा 01 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की 02 मोटरसाइकिल बरामद

प्रयागराज। थाना करछना पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर जयशंकर सोनी उर्फ डब्लू सोनी S/O मुकुन्दलाल सोनी नि0 बरई का डेरा भुण्डा थाना करछना प्रयागराज को मड़वा बाजार के पास से गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की 02 मोटर साइकिल बरामद की गयी । गिरफ्तारी,बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 158/23 धारा 411/413/414 भादंवि0 पंजीकृत किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।
गिरफ्तार अभियुक्त–जयशंकर सोनी उर्फ डब्लू सोनीS/Oमुकुन्दलाल सोनी नि0 बरई का डेरा भुण्डा थाना करछना प्रयागराज, उम्र 30 वर्ष
आपराधिक इतिहास–1. मु0अ0सं0 1065/2019 धारा 392/411 भादंवि0 थाना नैनी प्रयागराज 2.मु0अ0सं0 193/2021 धारा 380/411/457 भादंवि0 थाना मेजा प्रयागराज 3.मु0अ0सं0 270/2021 धारा 392/411 भादंवि0 थाना मेजा प्रयागराज 4.मु0अ0सं0–158/23 धारा 411/413/414 भादंवि0 थाना करछना प्रयागराज बरामदगी – 1. हीरो स्प्लेण्डर प्लस (बिना नम्बर प्लेट), चेचिस न0 MBLHAW119MHA00308 2. पैशन प्रो UP 70 BL 46 (अंत के दो अंक मिटे हुए) , चेचिस नम्बर MBLHA10EWBHC16484 गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम–1. व0उ0नि0 विनीत कुमार यादव थाना करछना प्रयागराज
2.उ0नि0 देवेन्द्र देव यादव थाना करछना प्रयागराज
3.हे0का0 कमलेश यादव थाना करछना प्रयागराज।

थाना कोरांव पुलिस द्वारा 02 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना कोरांव पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्तगण पुजारी पाल पुत्र बचई पाल निवासी मेजा खास थाना मेजा प्रयागराज व रामधनी पाल पुत्र हिन्चलाल पाल निवासी मेजा खास थाना मेजा प्रयागराज को पथरताल नगर पुलिया के पास थाना क्षेत्र कोरांव से गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की 03 मोटरसाइकिल व 02 अवैध जिन्दा देशी बम बरामद किये गये। उक्त बरामदगीधगिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना कोरांव में मु0अ0सं0 179/2023 धारा 41/411 भादंवि0 व मु0अ0सं0 180/2023 धारा 4/5 EÛp(S½)Act- पंजीकृत किये गये हैं। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।
गिरफ्तार अभियुक्तगण–1. पुजारी पाल पुत्र बचई पाल निवासी मेजा खास थाना मेजा प्रयागराज, उम्र 22 वर्ष 2. रामधनी पाल पुत्र हिन्चलाल पाल निवासी मेजा खास थाना मेजा प्रयागराज, उम्र 25 वर्ष बरामदगी 1.मोटर साइकिल सुपर स्प्लेण्डर (बिना नम्बर प्लेट) MBLJA05EMF9K08853 तथा इंजन नं0 JA05ECF9K04286 2.अपाचे मोटर साइकिल (बिना नम्बर प्लेट) इंजन नं0 AE8FM2200686 व चेचिस नं0 MD634AE83M2F01203 3. अपाचे मोटरसाइकिल(बिना नम्बर प्लेट) इंजन नं0 BE4BJ2614941 व चेचिस नं0 MD634BE44J2B14965 4. 02 अवैध जिन्दा देशी बम पंजीकृत अभियोग 1.मु0अ0सं0 179/2023 धारा 41/411 भादंवि0 थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 2.मु0अ0सं0 180/2023 धारा 4/5 EÛp(S) Act- थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज
गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–
1. उ0नि0 हेमेन्द्र प्रताप सिंह थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज
2. उ0नि0 ब्रजेश सिंह थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज
3. उ0नि0 अनुज राय थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज
4. हे0का0 भरत सिंह यादव थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज
5. राम सहाय यादव थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज
6. का0 राहुल गौड़ थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना मेजा पुलिस द्वारा हत्या के अभियोग में वांछित अभियुक्ता मय आलाकत्ल के गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना मेजा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 187/23 धारा 302/201 भादवि में वांछित अभियुक्ता सताक्षी पाण्डेय पत्नी पिंकेश कुमार सिंह नि0 बीरपुर शुक्लपुर थाना मेजा जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 25 वर्ष को दिनांक 14.05.2023 को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर घटना मे प्रयुक्त आलाकत्ल (02 अदद मुदगल) जिसमें 01 अदद लोहे का मुगदल व 01 अदद लकडी का मुगदल का बरामद किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्ता का विवरण–सताक्षी पाण्डेय पत्नी पिंकेश कुमार सिंह नि0 बीरपुर शुक्लपुर थाना मेजा जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 25 वर्ष बरामदगी का विवरण–घटना मे प्रयुक्त आलाकत्ल (02 अदद मुदगल) सम्बन्धित अभियोग का विवरण–मु0अ0सं0–187/23 धारा 302/201 भादवि थाना मेजा जनपद प्रयागराज
गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम–
1.प्र0नि0 ज्ञानेश्वर मिश्र थाना मेजा पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज
2.उ0नि0 प्रदीप कुमार थाना मेजा पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज
3.हे0का0 अरविन्द चौबे थाना मेजा पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज
4.म0का0 आशा पटेल थाना मेजा पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज।

ग्रामीणों को सूर्य नमस्कार, प्राणायाम व ध्यान का प्रशिक्षण

मुक्त विश्वविद्यालय ने टीएसएल चाड़ी गांव में लगाया योग शिविर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आज विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गए गांव टीएसएल चाड़ी, नैनी में एक योग जागरूकता कार्यक्रम तथा मतदाता निर्माण एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम प्रयागराज की अग्रणी सामाजिक संस्था श्री सुमंगलम के परिसर में आयोजित किया गया। योग जागरूकता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के असिस्टेंट प्रोफेसर अमित कुमार सिंह द्वारा उपस्थित ग्रामीणों तथा संस्थाओं के बच्चों सहित विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को योग का अभ्यास कराया गया।

इस अवसर पर समाज विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने उपस्थित लोगों को योग अभ्यास के महत्व को बतलाया तथा इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के योग कार्यक्रम से संबंधित संदेश को साझा किया। इसके उपरांत श्री सुमंगलम संस्था के अरविंद एवं श्रीमती देवयानी द्वारा संस्था में रह रहे बच्चों एवं उनके क्रियाकलाप, पठन–पाठन के संबंध में जानकारी दी गई। प्राणायाम एवं योगासन के उपरांत राजनीति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने ग्रामीणों को मतदान के महत्व के बारे में बताया। विश्वविद्यालय की महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने बच्चों को चॉकलेट भी वितरित किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ सुनील कुमार, डॉ वंदना वर्मा, डॉ सोहनी देवी, डॉ सुभाष चंद्र पाल, श्री राजेश सिंह एवं श्रीमती कामना यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस अवसर पर टीएसएल चाड़ी गांव के ग्राम प्रधान राजेश निषाद का सहयोग सराहनीय रहा।

थाना नैनी पुलिस टीम द्वारा गैंगेस्टर एक्ट मे वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 04 अदद अवैध देशी बम बरामद

प्रयागराज। थाना नैनी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर दिनांक–14.05.2023 को अभियुक्त साहबजादे पुत्र स्व0 शमीम निवासी 60 फिट रोड भारत मार्बल दुकान के पीछे करेली थाना करैली प्रयागराज को सरपतहिया मवैया ढलान के समीप से गिरफ्तार कर कब्जे से 04 अदद अवैध देशी बम बरामद बरामद किये गये। उल्लेखनीय है कि उक्त अभियुक्त थाना करैली में पंजीकृत मु0अ0सं0 306/2022 धारा 2, 3(1) उ० प्र० गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधि0 थाना करैली प्रयागराज का वांछित अभियुक्त है। उक्त गिरफ्तारीध बरामदगी के सम्बन्ध में थाना नैनी में मु0अ0सं0 244/23 धारा 4ध्5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–साहबजादे पुत्र स्व0 शमीम निवासी 60 फिट रोड भारत मार्बल दुकान के पीछे करेली थाना करैली प्रयागराज
बरामदगी का विवरण–04 अदद अवैध देशी बम पंजीकृत,आपराधिक इतिहास–1.मु0अ0सं0 244/23 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना नैनी प्रयागराज । 2.मु0अ0सं0 94/2020 धारा 188 भा.द.सं. थाना खुल्दाबाद प्रयागराज । 3.मु0अ0सं0 621/2020 धारा 188 भा.द.सं. व 15 जुआँ अधि0 थाना धूमनगंज प्रयागराज ।4.मु0अ0सं0 306/2022 धारा 2, 3(1) उ० प्र० गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम थाना करैली प्रयागराज
5.मु0अ0सं0–465/2021 धारा 379, 411 भा.द.सं. थाना करैली प्रयागराज ।
6.मु0अ0सं0–477/2021 धारा 379, 411 भा.द.सं. थाना करैली प्रयागराज ।
पुलिस टीम का विवरण–
1.उ0नि0 जनमेजय कुमार चौकी थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज ।
2.हे0का0 विजय लाल थाना नैनी कमिश्ररेट प्रयागराज ।
3.का0 दीपक कुमार थाना नैनी कमिश्ररेट प्रयागराज ।

एसआरएन के जूनियर डश्वक्टर और दुकानदारों में विवाद

प्रयागराज। स्वरूपरानी अस्पताल के बाहर दुकान लगाने वाले दुकानदारों और एक डॉक्टर के बीच शनिवार की रात काफी विवाद हो गया। इस दौरान नौबत मारपीट तक पहुंच गई। दुकानदारों का आरोप है की डॉ.एके सिंह दुकानदारों से पैसे को मांग करते हैं। नहीं देने पर बिना पैसा दिए ही दुकान से सामान उठा ले जाते हैं। कई दिनों से डॉक्टर की मनमानी चल रही है। शनिवार की रात को इसके चलते जमकर विवाद हो गया। दुकानदारों ने सामान और पैसा देने से मना कर दिया। देखते ही देखते बवाल बढ़ गया। इस दौरान पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। डॉक्टर और पुलिस के बीच जमकर नोकझोंक हुई। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। दुकानदारों ने डॉक्टर के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। बताया जाता है कि डॉक्टर फोरेंसिक थर्ड ईयर का छात्र है। रविवार को विवाद उस

सुजाता सबसे कम तो सरस सबसे अधिक उम्र में बनीं पार्षद

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम चुनाव में कनिहार वार्ड संख्या 6 से अनुसूचित जाति महिला आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने वाली सुजाता सबसे कम उम्र में पार्षद बन गई हैं। सुजाता की उम्र महज 21 वर्ष है। सुजाता ने समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ीं और 2497 वोट पाकर विजय हासिल की। उमेश कुमार भारतीय की पत्नी सुजाता पढ़ी लिखी भी हैं। उन्होंने ग्रेजुएशन किया है। वार्ड नंबर 28 झूलेलाल नगर से चुनाव लड़कर जीतने वाली सरस उर्फ सुनीता दरबारी सबसे उम्र दराज पार्षद चुनी गई हैं। उनकी उम्र 68 वर्ष हो चुकी है।
उम्र के लिहाज से इसके बाद गोहरी वार्ड संख्या 10 से सूबेदार ने चुनाव जीता है। सुबेदार भी महज 26 वर्ष के हैं। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित इस सीट पर सूबेदार ने भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा और विजय हासिल की। पीपल गांव की दीपिका जैसल भी 30 साल में पार्षद बनी हैं। वह परास्नातक हैं। वार्ड नंबर 28 झूलेलाल नगर से चुनाव लड़कर जीतने वाली सरस उर्फ सुनीता दरबारी सबसे उम्र दराज पार्षद चुनी गई हैं। उनकी उम्र 68 वर्ष हो चुकी है। भाजपा से 3962 वोट पाकर विजय हासिल करने वाली सरस ने स्नातक तक की पढ़ाई की है। मोहसत्सिमगंज वार्ड संख्या 80 से चुनाव लड़ने वाली कुसुमलता की उम्र 66 वर्ष है। राजेंद्र प्रसाद गुप्ता की पत्नी कुसुम ने केवल इंटर तक की शिक्षा ग्रहण की है। उन्होंने 1674 वोट पाकर विजय हासिल की है। वार्ड नंबर 61 कर्नलगंज से चुनाव लड़कर फिर विजय हासिल करने वाले पार्षद आनंद घिल्डियाल भी 61वां बसंत देख चुके हैं। आनंद घिल्डियाल ने निर्दलीय चुनाव लड़कर 3250 मत हासिल किए हैं। वार्ड नंबर 38 बाघंबरी हाउंसिंग स्कीम से चुनाव लड़कर जीतने वाली द्रौपदी देवी भी 64 वसंत देख चुकी हैं। उन्होंने पढ़ाई– लिखाई तो नहीं की पर जनता ने उनपर अपना भरोसा कायम रखा है। द्रौपदी देवी ने समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ा है और 1456 मत पाकर विजय हासिल की है।

आंदोलनकारी छात्र नेता को फोन पर फिर मिली जान से मारने की धमकी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र नेता अजय यादव सम्राट को फोन पर जान से मारने की और परिवार का अपहरण करने की धमकी मिली है। मामले की रिपोर्ट कर्नलगंज आने में दर्ज कराई गई है।
छात्र नेता अजय सम्राट ने कर्नलगंज कोतवाली प्रयागराज में जान से मारने की धमकी व अपहरण करने के संबंध में थानाध्यक्ष को एफ.आई.आर के लिए तहरीर दी। अजय सम्राट ने कहा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में विगत 1030 दिनों से अनवरत आंदोलन कर रहा हूं। छात्र हितों को लेकर विश्वविद्यालय में व्याप्त तानाशाही के खिलाफ लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। आंदोलन को तोड़ने के लिए लगातार विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा षड्यंत्र रचा जा रहा है। आंदोलन को तोड़ने के लिए घर पर पीडीए की टीम भिजवाई गई, घर वालों को पुलिस प्रशासन

द्वारा प्रताड़ित किया गया। मेरा दाखिला निरस्त कर दिया गया। दिनांक 3.10. 2022 को रात 11रू30 बजे मुझे फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई। कर्नलगंज में एफआईआर संख्या 0526ध 2022 दर्ज है लेकिन अभी तक पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। उन्होंने कहा कि दिनांक 12. 05. 2023 रात 10:00 बजे एक नंबर से मेरे पास फोन आता है मुझे जान से मारने की धमकी घरवालों को अपहरण करने तथा तेजाब फेंकने की धमकी व्यक्ति द्वारा दी जा रही है जब मैं पता पूछा तो वह व्यक्ति फोन काट दिया लगातार मुझे फोन पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है कर्नलगंज कोतवाली में एफआईआर दोबारा दर्ज करवानी पड़ी लेकिन अभी तक धमकी देने वाले लोगो पर कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की गई यदि मेरे ऊपर जानलेवा हमला होता है या मेरे परिवार के साथ कोई भी अनहोनी होती है तो इन सबके जिम्मेदार इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव, रजिस्टर प्रो.एन.के.शुक्ला रिटायर्ड प्रोफेसर मनमोहन कृष्णा होंगे।

ब्लड बैंक के उद्घाटन के साथ 67 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

रक्तदाताओं व ब्लड डोनेशन करने वाली संस्थाओं को नाज संस्था की ओर से किया सम्मानित

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। नाज सामाजिक संस्था की ओर से करैली में ब्लड बैंक के उद्घाटन को मातृत्व दिवस के रुप में मनाया गया। नाज ब्लड बैंक का उद्घाटन बुजुर्ग महिला ने फीता काट कर किया। ओनर डॉ नाज फात्मा, मैनेजिंग डायरेक्टर अमित यादव डॉ विश्वदीप केसरवानी, डॉ नाजिम, डॉ ईशान जैदी, डॉ जमशेद अली, डॉ पाण्डेय, डॉ हरदीप कौर के साथ 35 सालों से रक्तदान शिविर संचालित करने वाले इंकेलाबी ब्लड डोनर एसोशिएशन के शाहिद अस्करी, 127 बार ब्लड देकर पुरे उत्तर प्रदेश में ख्याति प्राप्त करने वाले कैप्टन मोहम्मद मेंहदी नकघ्वी, रवित सचदेवा, संजीव चावला, यूफोरियल संस्था के देवेश, फरहान आलम, अकबर खान, समाजिक नेता व करैली व्यापार मण्डल के अध्यक्ष शाहिद कमाल खान बब्लू, मोहम्मद परवेज, क्रिकेटर अस्करी अब्बास,

शिवम यादव, सैय्यादैन नकघ्वी आदि रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाने को उपस्थित रहे। संस्था के मैनेजर सैय्यद मोहम्मद अस्करी के अनुसार मातृदिवस और नाज ब्लड बैंक के उद्घाटन समारोह में केक भी काटा गया वहीं संस्था की ओर से डाक्टरों, आशाओं और समाज में ब्लड डोनेट कर इतिहास रचने वालों को बुके भेंट करने के साथ शॉल ओढ़ा कर व मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। ब्लड डोनेट करने वालों में डॉ नाज फात्मा, अमित यादव, डॉ जमशेद अली, डॉ अभिषेक कनौजिया, इमरान इकघ्बाल अजमली, विनय कुमार श्रीवास्तव ,जामिन हसन ,दीपक कुमार मालवीय ,विनोद कुमार शुक्ला , मोहम्मद रईस ,कामिल हुसैन अंजू पटेल समेत अन्य दो दर्जन लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

थाना लालापुर पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार,कब्जे से कुल 15 ली0 अवैध कच्ची देशी शराब बरामद

प्रयागराज। थाना लालापुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त बंशीलाल निषाद पुत्र राम विशाल निवासी ग्राम प्रतापपुर थाना लालापुर जनपद प्रयागराज को प्रतापपुर तिराहे पर सड़क के किनारे वहद् ग्राम प्रतापपुर थाना क्षेत्र लालापुर से गिरफ्तार कर कब्जे से 15 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब बरामद की गयी। उक्त गिरफ्तारी,बरामदगी के सम्बन्ध में थाना लालापुर में मु0अ0सं0 56/2023 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त–बंशीलाल निषाद पुत्र राम विशाल निवासी ग्राम प्रतापपुर थाना लालापुर जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 52 वर्ष
पंजीकृत अभियोग– मु0अ0सं0 –56/2023 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना लालापुर कमिश्नरेट प्रयागराज बरामदगी– 15 ली0 अवैध कच्ची देशी शराब गिरफ्तारी,बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1.व0उ0नि0 चन्द्रिक यादव थाना लालापुर कमिश्नरेट प्रयागराज 2.का0 राहुल पटेल थाना लालापुर कमिश्नरेट प्रयागराज3.का0 पंकज चौधरी थाना लालापुर कमिश्नरेट प्रयागराज।
अपहरण के मुकदमे में वांछित अभियुक्त थाना बहरिया पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर पीड़िता को 24 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद किया गया थाना बहरिया पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 95/23 धारा 363/366 भादंवि0 से सम्बन्धित पीड़िता पिंकी (काल्पनिक नाम) को 24 घण्टे के अन्दर सकुशल बरामद कर अभियुक्त साहिल अली पुत्र शमशेर अली निवासी फाजिलाबाद उर्फ कालूपुर थाना बहरिया, प्रयागराज को मुखबिर खास की सूचना पर थाना बहरिया क्षेत्र के सिकन्दरा तिराहे से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त– साहिल अली पुत्र शमशेर अली निवासी फाजिलाबाद उर्फ कालूपुर थाना बहरिया, प्रयागराजसम्बन्धित अभियोग– मु0अ0सं0 95/23 धारा 363/366 भादंवि0 व 7/8 पॉक्सो एक्ट थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज गिरफ्तारी,बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1. उ0नि0 पुरुषोत्तम लालजी थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज 2. का0 सूर्य कुमार थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज3. का0 विनय यादव थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज
4. म0का0 संध्या उपाध्याय थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–
स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक
स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)
मोबाइल नंबर 9450475366
Email
prayagdarpan@gmail.com
R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।